सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 102 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 24 जनवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

रायपुर मड़ई मेले में युवक का मर्डर, जांच में जुटी पुलिस

रायपुर। राजधानी रायपुर से लगे तिल्दा में मड़ई मेला कार्यक्रम के दौरान एक युवक का मर्डर हुआ है। ग्राम पंचायत भुरसूदा में मेला लगा हुआ है। जहां 23 जनवरी की शाम अज्ञात लोग चाकू लेकर पहुंचे हुए थे और वहां मौजूद युवक पर हमला कर मौत के घाट उतार दिया। घटना खरोरा थाना क्षेत्र की है। मृतक युवक तिल्दा नेवरा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत भुरसुदा का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, हमले में घायल युवक को नाजुक हालत में इलाज के लिए हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां उसने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है की ग्राम पंचायत रैखेड़ा में गौरेला बर्मन नाइट प्रोग्राम चल रहा था। उसी दौरान कुछ नाबालिगों ने ग्राम पंचायत के ही पंच पर चाकू से हमला किया है। सूचना पर पुलिस टीम जांच में जुट गई है।

अगले 48 घंटे में बढ़ेगी गर्मी, 3 डिग्री तक बढ़ेगा तापमान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम का उतार-चढ़ाव जारी है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 48 घंटों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। इसके बाद दो दिनों तक मौसम शुष्क रहेगा। आज प्रदेश के कुछ इलाकों में धुंध छाए रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, उत्तर भारत में एक्टिव वेस्टर्न डिस्टर्बेंस कमजोर पड़ गया है, जिससे प्रदेश में तेज ठंड या शीतलहर जैसी स्थिति बनने की संभावना नहीं है। पिछले 24 घंटों में प्रदेश का अधिकतम तापमान 30.2 डिग्री सेल्सियस दुर्ग में दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में रिकॉर्ड हुआ।

भारत ने न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया

रायपुर। राजधानी के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी 20 मैच में इंडिया ने शानदार जीत दर्ज की है। टीम ने कीवियों को 7 विकेट से हराया। भारतीय टीम ने 209 रन के टारगेट को 15.2 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया। इसी के साथ 5 मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त भी बना ली। तीसरा मैच 25 जनवरी को गुवाहाटी में खेला जाएगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 37 बॉल पर नाबाद 82 रनों की नाबाद पारी खेली। जबकि ईशान किशन ने 32 बॉल पर 76 रन बनाए। दोनों के बीच 122 रन की साझेदारी हुई।

रायगढ़ के डॉक्टर्स कॉलोनी में लगी भीषण आग

रायगढ़। जिले में स्थित जिला अस्पताल परिसर के भीतर डॉक्टर्स कॉलोनी में शुक्रवार रात अचानक आग लग गई। आग की भयानक लपटें उठते देख पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि जिला अस्पताल के डॉक्टर इसी कॉलोनी में रहते हैं। आगजनी की सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने के प्रयास में जुट गई। आग लगने के कारण पता नहीं चल सका है।

भारतीय खिलाड़ियों ने देखी बार नवापारा अभयारण्य की सुंदरता, वन्य जीवों को देख हुए रोमांचित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पांच मैचों की टी-20 सीरीज का दूसरा मैच खेलने पहुंची भारतीय टीम के खिलाड़ियों ने मैच से पहले बलौदा बाजार जिले स्थित बार नवापारा वन्यजीव अभयारण्य का भ्रमण कर जंगल और वन्य जीवन का अनुभव लिया। खिलाड़ियों ने न सिर्फ छत्तीसगढ़ की नैसर्गिक सुंदरता को करीब से निहारा बल्कि अभयारण्य के वन्य प्राणियों को देख रोमांचित हो गए।

भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ टीम के प्रमुख खिलाड़ी संजू सैमसन, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह और कुलदीप यादव इस जंगल भ्रमण में शामिल रहे। खिलाडियों ने अभयारण्य की समृद्ध जैव-विविधता, प्राकृतिक सौंदर्य और वन्य जीवों को नजदीक से देखा। इस जंगल भ्रमण की तस्वीरें वन मंत्री केदार कश्यप ने सोशल मीडिया पर साझा की हैं, जो तेजी से वायरल हो रही हैं।

खिलाड़ियों की जंगल सफारी

बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य अपनी समृद्ध जैव-विविधता और प्राकृतिक खूबसूरती के लिए प्रसिद्ध है। बार नवापारा वन्यजीव अभयारण्य करीब 245 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विस्तृत है। यहां वन्यजीवों के साथ ही बुलबुल, तोते, गिद्ध, मोर, कठफोड़वा जैसे अनेक पक्षी प्रजातियां पाई जाती हैं।व्यस्त क्रिकेट शेड्यूल के बीच किया गया यह सफारी ब्रेक टीम इंडिया के खिलाड़ियों के लिए सुकून और ताजगी से भरा रहा। वन मंत्री केदार कश्यप ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए खिलाड़ियों के प्रकृति प्रेम की सराहना की। उन्होंने कहा कि, छत्तीसगढ़ का प्राकृतिक सौंदर्य देश और दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है।

भिलाई के सिसकोल प्लांट में हादसा सिर पर प्लेट गिरने से मजदूर की मौत

क्रेन ऑपरेटिंग के दौरान हुआ था हादसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र के हथखोज इंडस्ट्रीयल एरिया के सिसकोल कंपनी में बड़ा हादसा हो गया। क्रेन ऑपरेट करते समय लोहा गिरने से मजदूर की मौत हो गई। हादसे के बाद कंपनी में अफरा तफरी मच गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में लापरवाही की बात भी सामने आई है। मृतक की पहचान जामुल वार्ड क्रमांक 5 निवासी लेखूराम कौशल (35) के रूप में हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार लेखूराम कौशल सुबह अपनी नियमित ड्यूटी पर कार्यरत था। वह ओवरहेड क्रेन की मदद से भारी लोहे के प्लेट को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ट्रांसफर कर रहा था। बताया जा रहा है कि क्रेन को वह खुद ही ऑपरेट कर रहा था। इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से वह गिरा और लोहे के प्लेट स्लिप हो गए और सीधे लेखूराम के ऊपर गिर पड़े। गंभीर चोटें आने से और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

लापरवाही से हादसे की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

हादसे की सूचना मिलते ही पुरानी भिलाई थाना की पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस घटनास्थल का मुआयना कर ही है और घटना के बारे में मौके पर मौजूद कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा रही है, ताकि हादसे के सही कारणों का पता लगाया जा सके। प्रारंभिक तौर पर यह आशंका जताई जा रही है कि सुरक्षा मानकों में लापरवाही या तकनीकी खामी के चलते यह हादसा हुआ।

20 लाख मुआवजा और परिवार के सदस्य को नौकरी

हादसे के बाद सिसकोल कंपनी ने मृतक के परिवार के लिए मुआवजे की घोषणा की है। हादसे के बाद परिजनो के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने प्रबंधन से चर्चा की। कंपनी प्रबंधन ने मृतक के परिजनों को 20 लाख रुपए का मुआवजा देने का भरोसा दिलाया है। कंपनी ने परिवार के एक सदस्य को नियमित नौकरी और बच्चों को 18 वर्ष तक की आयु तक पढ़ाई का पूरा खर्च उठाने का भी भरोसा दिलाया है। कंपनी प्रबंधन के आश्वासन के बाद वार्ड पार्षद ने इसकी जानकारी दी। इस दौरान कंपनी परिसर में भारी भीड़ जमा हो गई थी।

जनजातीय डिजिटल संग्रहालय की थीम पर सजी कर्तव्य पथ पर छत्तीसगढ़ की झांकी

रायपुर। गणतंत्र दिवस से पूर्व कर्तव्य पथ पर आयोजित फुल ड्रेस रिहर्सल में छत्तीसगढ़ की झांकी ने अपनी विशिष्ट और आकर्षक प्रस्तुति से सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस वर्ष छत्तीसगढ़ की झांकी देश के पहले जनजातीय डिजिटल संग्रहालय की थीम पर आधारित है, जिसमें राज्य की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और आधुनिक तकनीक को प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया गया है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट के लिए भारतीय टीम का एलान, स्टार ओपनर की वापसी

मुंबई। भारतीय महिला चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेले जाने वाले एकमात्र टेस्ट के लिए भारतीय टीम का एलान कर दिया है। चयन समिति ने 15 सदस्यीय टीम का एलान किया, जिसमें स्टार खिलाड़ियों भरे हुए हैं। साथ ही टीम में स्टार ओपनर प्रतिका रावल की भी वापसी हुई है, जो पिछले काफी समय से पैर में चोट की वजह से बाहर हैं।

यह चार दिवसीय टेस्ट मैच पर्थ के मैदान पर छह से नौ मार्च तक खेला जाएगा। टीम की कमान हरमनप्रीत कौर ही संभालेंगी। वहीं, स्मृति मंधाना उपकप्तान होंगी। यह टेस्ट मैच भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के आखिरी में खेला जाएगा। इस दौरे की शुरुआत फरवरी के मध्य में होगी। इसके बाद सीमित ओवरों के प्रारूप के छह मुकाबले खेले जाएंगे। सीरीज की शुरुआत तीन टी20 मैचों से होगी, फिर तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। दौरे का पहला मुकाबला सिडनी में 15 फरवरी को टी20 के रूप में खेला जाएगा।

भारतीय में शामिल खिलाड़ी

आस्ट्रेलिया के खिलाफ 15 सदस्यीय भारतीय महिला टेस्ट टीम में हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, अमनजोत कौर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री, प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, रेणुका ठाकुर, स्नेह राणा, क्रांति गौड़, वैष्णवी शर्मा व सयाली सतघरे को शामिल किया गया है।

जगदलपुर के मां दंतेश्वरी मंदिर में चोरी, पीछे का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे चोर, सोने-चांदी के आभूषण चुराए

जगदलपुर। बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी मंदिर में चोरी हुई है। 23 जनवरी की रात अज्ञात चोरों ने मंदिर के पीछे की तरफका दरवाजा तोड़ककर वारदात की है। प्रारंभिक जांच में सोने-चांदी के आभूषण चुराने की बात सामने आ रही है। फिलहाल पुलिस की टीम जांच कर रही है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, आज शनिवार (24 जनवरी) सुबह कुछ भक्त और मंदिर के पुजारी जब मंदिर पहुंचे तो ताला टूटा मिला। अदंर जाकर देखा तो सोने-चांदी के आभूषण गायब मिले। जिसके बाद इसकी सूचना फौरन पुलिस को दी गई। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। साथ ही फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। फॉरेंसिक टीम हर एक एंगल से जांच कर रही है। वहीं मंदिर के बाहर और आस-पास में लगे सीसीटीवी कैमरों को भी खंगाला जा रहा है। चोरों ने कितना हाथ साफ किया है फिलहाल अभी यह स्पष्ट नहीं है।

26 जनवरी तक एयर इंडिया की रायपुर-दिल्ली उड़ानें रद्द

रायपुर। गणतंत्र दिवस के मद्देनजर दिल्ली में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू होने के कारण हवाई सेवाओं पर असर पड़ा है। एयर इंडिया ने राजधानी दिल्ली से संचालित कुछ उड़ानों को 26 जनवरी तक रद्द कर दिया है। इसमें दिल्ली-रायपुर-दिल्ली सेक्टर की सुबह संचालित नियमित उड़ान भी शामिल है। एयर इंडिया की ओर से जारी सूचना के अनुसार, फ्लाइट (नंबर AI 1718) 26 जनवरी तक संचालित नहीं होगी। सुरक्षा कारणों से दिल्ली एयर स्पेस में अतिरिक्त प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिसके चलते उड़ानों के संचालन में बदलाव किया गया।

छत्तीसगढ़ में 16 आईपीएस अधिकारियों का प्रमोशन

■ आईपीएस छाबड़ा एडीजी, आईपीएस प्रशांत अग्रवाल बने आईजी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के गृह (पुलिस) विभाग ने भारतीय पुलिस सेवा अधिकारियों की पदोन्नति के आदेश जारी किए हैं। इस आदेश के तहत अलग-अलग बैच के कई अधिकारियों को उच्च पदों पर पदोन्नत किया गया है।

राज्य कैडर के 2001 बैच के आईपीएस अधिकारी डॉ. आनंद छाबड़ा को 25 साल की सेवा पूरी करने के बाद अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया है। इस पदोन्नति के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने 6 जनवरी 2026 को मंजूरी दी थी। आवंटन वर्ष 2008 के दो आईपीएस प्रशांत कुमार अग्रवाल और मिलना कुर्रे को पुलिस महानिरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया है।

इसके अलावा, केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत 2008 बैच की आईपीएस अधिकारी नीथू कमल को 1 जनवरी 2026 से पुलिस महानिरीक्षक वेतनमान में प्रोफार्मा पदोन्नति दी गई है। आईपीएस विवेक शुक्ला, रजनेश सिंह, शशि मोहन सिंह, राजेश कुकरेजा, श्वेता राजमणी, राजेश कुमार अग्रवाल, विजय अग्रवाल और रामकृष्ण साहू डीआईजी प्रमोट हुए है। विवेक शुक्ला, रजनेश सिंह, शशि मोहन सिंह, राजेश कुकरेजा, श्वेता राजमणी, राजेश कुमार अग्रवाल, विजय अग्रवाल और रामकृष्ण साहू डीआईजी प्रमोट हुए है। आवंटन वर्ष 2012 के आठ आईपीएस अधिकारियों को उप पुलिस महानिरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया है। इनमें विवेक शुक्ला, रजनेश सिंह, शशि मोहन सिंह, राजेश कुकरेजा, श्वेता राजमणी, राजेश कुमार अग्रवाल, विजय अग्रवाल और रामकृष्ण साहू शामिल हैं। आवंटन वर्ष 2013 के चार आईपीएस अधिकारियों डॉ. अभिषेक पल्लव, मोहित गर्ग, भोजराम पटेल और यशपाल सिंह को चयन श्रेणी में पदोन्नत किया गया है।

पंजाब के सरहिंद में रेलवे आउटर रेलवे लाइन पर ब्लास्ट

■ सुरक्षा अधिकारी घायल, जांच में जुटी पुलिस

चंडीगढ़। गणतंत्र दिवस से पहले पंजाब में रेल लाइन पर धमाका हुआ है। शुक्रवार रात करीब नौ बजे सरहिंद रेलवे स्टेशन की एक आउटर लाइन पर इंजन के गुजरने के दौरान धमाका हुआ। देर रात करीब 11 बजे इसकी सूचना राजकीय रेलवे पुलिस को दी गई। हमले में एक लोको पायलट के घायल होने की भी सूचना है। जीआरपी ने इस संदर्भ में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जांच के दौरान पुलिस पुलिस और एफएसएल की टीम ने मौके से कुछ सबूत जुटाए हैं ताकि फॉरेंसिक जांच के बाद यह मालूम किया जा सके कि यह धमाका किसी आतंकी साजिश का हिस्सा था या नहीं। रोपड़ रेंज के डीआईजी नानक सिंह भी मौके पर पहुंचे हैं। पुलिस का यह भी मानना है कि यह धमाका इंजन में ही किसी तकनीकी खराबी के चलते भी हो सकता है। रेलवे के तकनीकी विशेषज्ञ इस बात की जांच भी कर रहे हैं। इस धमाके से इंजन के शीशे टूट गए हैं जबकि ट्रैक को भी थोड़ा नुकसान हुआ है। पुलिस जांच जारी है क्योंकि गणतंत्र दिवस नजदीक है और सुरक्षा एजेंसियों ने किसी बड़ी घटना का अलर्ट जारी किया हुआ है। इसके चलते पुलिस पूरी तरह सतर्क हो गई है।

हाई कोर्ट के फैसले से एसईसीआर के कर्मचारियों को मिली राहत

■ सैकड़ों कर्मियों से जुड़ा है यह मामला

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। हाई कोर्ट के फैसले से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में काम करने वाले एक दर्जन से अधिक कर्मचारियों और उनके परिवार को राहत मिली है। डिवीजन बेंच ने अपने फैसले में कहा, चयन समिति की तकनीकी गलतियों का खामियाजा निर्दोष कर्मचारी नहीं भुगत सकते। बता दें कि याचिकाकर्ता कर्मचारी बीते एक दशक से भी अधिक समय से रेलवे में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

याचिकाकर्ता कर्मचारी बीते 13 साल से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में काम कर रहे हैं। चयन समिति की तकनीकी खामियों के चलते इनके बाहर होने का खतरा पैदा हो गया था। परेशान कर्मचारियों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर गुहार लगाई थी। याचिका की सुनवाई जस्टिस रजनी दुबे व जस्टिस एके प्रसाद की डिवीजन बेंच में सुनवाई हुई। डिवीजन बेंच के फैसले से एसईसीआर में कार्यरत कर्मचारियों को बड़ी राहत दी है। इन कर्मचारियों को चयन सूची में बदलाव का हवाला देते हुए रेलवे अफसर नौकरी से बाहर कर रहे थे। याचिका की सुनवाई करते हुए जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की डिवीजन बेंच ने कहा कि चयन समिति की तकनीकी गलतियों का खामियाजा निर्दोष कर्मचारी नहीं भुगत सकते, जो एक दशक से अधिक समय से निरंतर अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

सीएम से मिले अभिनेता नीतिश भारद्वाज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में सुप्रसिद्ध फिल्म एवं टीवी अभिनेता नीतिश भारद्वाज ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने श्री नीतीश भारद्वाज का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें बस्तर आर्ट से निर्मित महुआ वृक्ष की कलाकृति तथा बस्तर दशहरा पर आधारित कॉफी टेबल बुक भेंट की।मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ की विशिष्ट जनजातीय कला, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश डालते हुए इनके संरक्षण और संवर्धन के प्रयासों की जानकारी भी साझा की।

संपादकीय

प्रदूषण बनाम टैरिफ

अर्थव्यवस्था व सेहत पर घातक असर

दावोस में हाल ही में संपन्न वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में भारतीय अर्थव्यवस्था की चर्चा के दौरान यह बात शिद्दत से उठी कि भारत पर ट्रंप के टैरिफ के मुकाबले प्रदूषण ज्यादा घातक असर दिखा रहा है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर और आईएमएफ की पूर्व डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ ने इकोनॉमिक फोरम में चर्चा के दौरान कहा कि व्यापार बढ़ाने की कवायद में अकसर व्यापारिक बाधाओं और नियमों की बात की जाती है, लेकिन आर्थिक तरक्की में बाधक प्रदूषण जैसे घटकों की चर्चा कम ही होती है। चर्चा में भारत में प्रदूषण की भयावहता का जिक्र करते हुए कहा गया कि भारत पर ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के मुकाबले प्रदूषण का असर ज्यादा घातक व दूरगामी है। फोरम में साल 2022 में विश्व बैंक के एक अध्ययन का हवाला दिया गया कि भारत में हर साल सत्रह लाख लोगों की मौत प्रदूषण से हो जाती है। ये आंकड़ा भारत में मरने वालों का अट्ठारह फीसदी बैठता है। जो कहीं न कहीं आर्थिक गतिविधियों को बाधित करने के साथ ही बहुमूल्य जीवन भी लीलता है। कमोबेश यह घातकता जीडीपी पर भी असर डालती है। निस्संदेह, प्रदूषण से होने वाली मौतों से केवल एक परिवार ही नहीं, पूरे देश पर प्रभाव पड़ता है। देश की श्रम शक्ति का ह्रास होता है और आर्थिकी पर दूरगामी प्रभाव होते हैं। वहीं आर्थिकी पर चर्चा के दौरान यह मुद्दा भी उठा कि प्रदूषण के चलते निवेशकों के भरोसे पर भी दुष्प्रभाव होता है। इससे निवेशकों का आकर्षण कम होता है। निस्संदेह, निवेशक के मन में भय होता है कि यदि वह इसी प्रदूषित वातावरण में रहता है तो यह उसके लिये यह घातक हो सकता है। इसमें दो राय नहीं कि प्रदूषण की भयावह स्थिति दुनिया में किसी भी देश की छवि को नुकसान जरूर पहुंचाती है। जिससे निवेशक बेहतर विकल्प की तलाश में अन्य देशों का रुख कर सकते हैं।

> “ फोरम में साल 2022 में विश्व बैंक के एक अध्ययन का हवाला दिया गया कि भारत में हर साल सत्रह लाख लोगों की मौत प्रदूषण से हो जाती है। ये आंकड़ा भारत में मरने वालों का अट्ठारह फीसदी बैठता है। जो कहीं न कहीं आर्थिक गतिविधियों को बाधित करने के साथ ही बहुमूल्य जीवन भी लीलता है। कमोबेश यह घातकता जीडीपी पर भी असर डालती है। निस्संदेह, प्रदूषण से होने वाली मौतों से केवल एक परिवार ही नहीं, पूरे देश पर प्रभाव पड़ता है। देश की श्रम शक्ति का ह्रास होता है और आर्थिकी पर दूरगामी प्रभाव होते हैं।

ऐसे में प्रदूषण के संकट को युद्धस्तर पर निपटाने की जरूरत महसूस की जा रही है। निस्संदेह, भारत में प्रदूषण का संकट एक यथार्थ है। यह भी हकीकत है कि देश के नीति-नियंता प्रदूषण संकट के समाधान को लेकर गंभीर नजर नहीं आते। जब-जब प्रदूषण संकट गहराता है तो आग लगने पर कुआं खोदने की कवायद की जाती है। कोर्ट की फटकार व नियामक एजेंसियों की सख्ती के बाद शासन-प्रशासन हरकत में आता है। लेकिन गीता गोपीनाथ के तर्कों के कुछ अर्धसत्य भी हैं। इसमें दो राय नहीं कि अमेरिका के इशारे पर काम करने वाली वैश्विक एजेंसियां विकासशील देशों को लेकर अपनी सुविधा के हिसाब से प्रतीक-प्रतिमान गढ़ती रही हैं। आईएमएफ जैसी संस्थाओं को अमेरिकी कूटनीति के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। यहां तक कि इन संस्थाओं में उच्च पदों पर बैठे भारतीय अधिकारी भी अमेरिका के सुरों में गाते नजर आते हैं। सवाल गोपीनाथ के बयान के समय का भी है जब अमेरिका न केवल भारत पर अन्यायपूर्ण टैरिफ लगा रहा है बल्कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते को भी अपनी शर्तों के अनुरूप अंतिम रूप देने का प्रयास कर रहा है। बहरहाल, इसके बावजूद यह एक हकीकत है कि हमारे देश में प्रदूषण संकट बड़ा है, जिसे देश के नीति-नियंता गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। जिसके चलते करोड़ों भारतीयों को अपनी जमा-पूंजी अपने व परिवार के उपचार में खर्च करनी पड़ती है। निस्संदेह, प्रदूषण के खिलाफ युद्ध स्तर पर कार्रवाई करने की जरूरत है। साथ ही प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कानूनों को सरल बनाने की भी जरूरत है ताकि उन पर अमल आसानी से हो सके। इसके अलावा लोगों को भी जागरूक करने की जरूरत है कि देश की आबोहवा सुधारने के लिये उन्हें भी कुछ त्याग करने होंगे। उन्हें अपनी विलसिता की जीवन शैली में बदलाव लाकर आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुधारना होगा। निश्चित रूप से प्रदूषण को आर्थिक चुनौती के रूप में भी देखने की जरूरत है। खासकर जब भारत खुद को वैश्विक आर्थिक और विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिये प्रयासरत है। हमारा मकसद हो कि हमारे शहर स्वच्छ रहें और नागरिकों के लिये जीवन परिस्थितियां स्वास्थ्य के अनुकूल हों।

दुनिया को गुमराह ही किया दावोस में ट्रम्प ने

पुष्परंजन

दावोस में ट्रंप ने एक घंटे से ज़्यादा लंबा भाषण दिया। ट्रंप ने कई ऐसे दावे किए, जो या तो झूठे थे, या गुमराह करने वाले। स्विट्ज़रलैंड के दावोस में 19 जनवरी से आरम्भ वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की 56वीं वार्षिक बैठक का समापन 23 जनवरी को हो चुका है। वहां ट्रम्प गए, पीएम मोदी उनसे रूबरू होने नहीं गए। इस बार की वार्षिक बैठक का थीम, 'ए स्पिरिट ऑफ डायलॉग' रखा गया है। लेकिन इस डायलॉग का क्या हासिल हुआ? जो बिज़नेस लीडर, नेता-नौकरशाह-अर्थशास्त्री-मीडियाकर्मी यहां आये, उससे उनके देशों या दुनिया को क्या लाभ मिला? इस बात पर कम ही बहस होती है।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) एक अंतरराष्ट्रीय थिंक टैंक है, जो वैश्विक आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए शासन प्रमुखों, बिजनेस लीडर्स, नीति निर्माताओं और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाता है। डब्ल्यूईएफ का मुख्यालय जेनेवा के कोलोग्नी में स्थित है। इसकी स्थापना 24 जनवरी, 1971 को जर्मन मूल के क्लाउस श्वाब द्वारा की गई थी, जो जेनेवा विश्वविद्यालय में प्रोफेसर थे। इसके संस्थापक क्लाउस श्वाब, दशकों तक इसके अध्यक्ष बने रहे। श्वाब ने अप्रैल 2025 में प्रबंधन पर उठे सवाल, और आंतरिक जांच के बीच अध्यक्ष पद छोड़ दिया था। जांच में श्वाब और उनकी पत्नी को क्लीन चिट मिली, लेकिन श्वाब ने यह कहते हुए दोबारा ज्वाइन करने से मना किया, कि डब्ल्यूईएफ में वातावरण विषाक्त हो चुका है।

रफ्ता-रफ्ता वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की गंभीरता कम होती जा रही है। बल्कि, इसे 'हाई-प्रोफाइल पिकनिक स्पॉट' की नज़रों से देखा जाने लगा है। आलोचकों का तर्क यह भी है, कि यह मंच, धनी देशों और बड़ी कंपनियों को विशेषाधिकार देता है। अमेरिकी राजनीतिक वैज्ञानिक सैमुअल पी. हंटिंगटन ने इस मंच को 'अभिजात वर्ग के लिए एक मिलन स्थल' के रूप में वर्णित किया, और एक शब्द गढ़ा 'दावोस मैन'। कई वैसे पत्रकार, जिन्हें आर्थिक समझ नहीं है, वो भी 'ग्लोबल जर्नलिस्ट' के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज़ कराने दावोस पहुंच जाते हैं।

द स्विस टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस सालाना बैठक का वेन्यू, दावोस से कहीं और रखने पर भी विचार किया गया है। दावोस में भीड़ को देखकर स्विस नागरिक असहज होने लगे हैं। आमतौर पर डब्ल्यूईएफ में वैश्विक आर्थिक रुझान, भू-राजनीति, जलवायु नीति, सार्वजनिक स्वास्थ्य और तकनीकी परिवर्तन पर पैनल चर्चाओं के साथ-साथ छोटी कार्यशालाएं, और गुप्त बैठकें शामिल होती हैं। लेकिन इसका ढब धीरे-धीरे बदलता चला गया। आलोचकों का कहना है, कि दावोस में बातें बहुत ज़्यादा होती हैं, मगर दुनिया में बढ़ती असमानता को ठीक करने, और क्लाइमेट चेंज जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए काम नहीं के बराबर होता है।

इस बार लगभग 400 टॉप पॉलिटिकल लीडर, जिनमें 60 से ज़्यादा देशों के राष्ट्राध्यक्ष और सरकार के प्रमुख शामिल हैं, और दुनिया की कई बड़ी कंपनियों के लगभग 850 चेयरमैन, चीफएग्जीक्यूटिव ने हिस्सा लिया। दावोस में ईरान की उपस्थिति नहीं थी, इस्राइल के राष्ट्रपति इशाक हर्जोग ज़रूर आये। इस साल जियोपॉलिटिकल माहौल बहुत ज़्यादा कॉम्प्लेक्स हो गया। यूरोपियन यूनियन के नेताओं ने ग्रीनलैंड पर कब्ज़े की कोशिश को लेकर नए टैरिफ लगाने की ट्रंप की धमकी को 'ब्लैकमेल' कहा है। वेनेज़ुएला, ग्रीनलैंड और ईरान जैसे अलग-अलग विषयों पर ट्रंप के बयानों और आक्रामक टैरिफ नीतियों ने दुनिया के सिस्टम को उलट-पुलट कर दिया है, चुनांचे फोरम की बैठक में ट्रंप ही छाए रहे। पांच दिनों में 200 सत्र आहूत किये गए थे, लेकिन ट्रम्प आये, और सारे विमर्श बस्ते में बंद हो गए।

लेकिन, क्या ट्रम्प इस फोरम पर भी दुनिया को गुमराह कर रहे थे? दावोस में ट्रंप ने एक घंटे से ज़्यादा लंबा भाषण दिया। ट्रंप ने कई ऐसे दावे किए, जो या तो झूठे थे, या गुमराह करने वाले। ट्रंप ने बार-बार दूसरे विश्व युद्ध के दौरान ग्रीनलैंड में अमेरिकी सेना की मौजूदगी के बारे में बात की, इसे एक ऐसे इलाके के तौर पर पेश किया, जिसे अमेरिका ने एक बार डेनमार्क को 'वापस' कर दिया था। फैक्ट चेक करने पर पता चलता है, कि अमेरिका ने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान ग्रीनलैंड की रक्षा में मदद की थी, लेकिन वह कभी भी उस इलाके का मालिक नहीं था। न ही अमेरिका ने डेनमार्क को आज़ाद कराने, या 'बचाने' के लिए कोई अलग से सैन्य अभियान चलाया।

सच यह है, कि नाज़ी जर्मनी ने अप्रैल, 1940 में डेनमार्क पर कब्ज़ा कर लिया, तो ग्रीनलैंड को कोपेनहेगन में डेनिश सरकार से अलग कर दिया गया था। जर्मनी को ग्रीनलैंड की रणनीतिक स्थिति और उसकी क्रायोलाइट खानों (विमान एल्यूमीनियम उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण) का फायदा उठाने से रोकने के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका ने वाशिंगटन में डेनमार्क के राजदूत की मंज़ूरी से हस्तक्षेप किया। अमेरिका ने ग्रीनलैंड की रक्षा के लिए सैन्य अड्डे, मौसम स्टेशन और हवाई अड्डे स्थापित किए, लेकिन इसकी कानूनी संप्रभुता कभी नहीं बदली। जर्मन सेना और डेनिश नेतृत्व वाली द्वीप गश्ती दल के बीच छिटपुट झड़पें हुईं, लेकिन ग्रीनलैंड पर नाज़ी जर्मनी ने कभी भी पूरी तरह से कब्ज़ा नहीं किया।

दूसरे विश्व युद्ध के बाद ग्रीनलैंड, डेनमार्क साम्राज्य का हिस्सा बना रहा। शीत युद्ध के दौरान अमेरिकी सैन्य गतिविधि जारी रही, खासकर पिटुफिक स्पेस बेस (पहले जिसका नाम थुले एयर बेस था) के निर्माण के साथ। यह मौजूदगी रक्षा समझौतों पर आधारित थी, न कि स्वामित्व के हस्तांतरण पर। नाज़ी जर्मनी ने ग्रीनलैंड को नियंत्रित नहीं किया, और न ही अमेरिका ने इसे जर्मनी से हासिल किया। डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार ग्रीनलैंड को 'बर्फ का एक टुकड़ा' कहा, और तर्क दिया कि ग्लोबल सिक्योरिटी के नाम पर अमेरिका को इसे कंट्रोल करना चाहिए।

ग्रीनलैंड, डेनमार्क साम्राज्य का हिस्सा है, और अनुच्छेद 5 के तहत नाटो के सामूहिक रक्षा खंड द्वारा संरक्षित है, जिसमें कहा गया है कि यदि एक सदस्य पर हमला हुआ तो उसे सभी नाटो सदस्यों पर हमला माना जाएगा। ट्रंप, अनुच्छेद 5 जैसी 'लक्ष्मण रेखा' से असमंजस में थे। इसी के हवाले से नाटो के यूरोपीय सदस्य देशों की सेनाएं अमेरिकी फोर्स को काउंटर करने के वास्ते तैयार थीं। यदि ऐसा होता, तो नाटो में विभाजन निश्चित था। ट्रम्प ने अपनी धौंस बनाने के लिए कहा, कि ग्रीनलैंड में हम सैनिक कार्रवाई नहीं कर रहे, लेकिन उन यूरोपीय देशों को देख लेंगे, जो अमेरिका के विरुद्ध लामबंद हो रहे थे। दरअसल, ट्रंप दुनिया को बताना नहीं चाह रहे थे, कि ग्रीनलैंड समर्थक यूरोपीय देश ईयू में अपने सबसे सख्त ट्रेड टूल, 'बजूका' पर विचार करने के लिए लामबंद हो चुके हैं। यह कदम अमेरिकी सामानों और कंपनियों को ईयू के सिंगल मार्केट में पहुंच से रोक सकता था। यूरोपीय संघ के इस क़दम से अमेरिकी बाज़ार में तबाही मच जाती!

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

युवाओं को डॉक्टर-इंजीनियर बनने से आगे का सोचना होगा

कंवल रेखी

मेरे पिता आर्मी में थे। द्वितीय विश्व युद्ध में उन्होंने शिरकत की थी। आज के पाकिस्तान के रावलपिंडी स्थित गांव सुखो से बंटवारे के बाद 'दारजी' यानी मेरे पिता अलग-अलग पोस्टिंग्स से होते हुए कानपुर पहुंचे, जहां मेरा बचपन बीता। आर्मी से होने के कारण 'दारजी' की नजर में सफलता के पैमाने मिलिट्री के ही थे। लेकिन मैं शारीरिक तौर पर कमजोर था, कंधे झुके थे, शर्मीला और एक स्पीच-डिफेक्ट से जूझने वाला बच्चा था। मैं उनकी नजरों में एक निराशा ही था।

बचपन में उनके रिजेक्शन ने मुझे झकझोर दिया था, लेकिन फिर मैंने इस बात का पॉजिटिव पहलू देखा और मानने लगा कि उनकी नजरअंदाजी मेरे लिए अच्छी है। मुझ पर अपने दोनों भाइयों की तरह आर्मी जॉइन करने का दबाव नहीं था। उनकी उपेक्षा ने मुझे अपना रास्ता चुनने की आजादी दी।

मां को जरूर मुझ पर और गणित के प्रति मेरे रुझान पर भरोसा था। जब पिता पोस्टिंग पर होते तो घर के बजट का जिम्मा वो मुझे सौंप देतीं। 13 साल की उम्र में मैंने हिंदी मीडियम स्कूल से पढ़ाई की और गणित और विज्ञान में माहिर हो गया। मेरी जिज्ञासाओं ने मेरा आत्मविश्वास बढ़ाया।

अच्छी बात यह थी कि उस समय देश में नॉलेज-इकोनॉमी कदम रख रही थी। घर के पास एक वेलफेयर लाइब्रेरी थी, जहां मुझे इतिहास की किताबों से लेकर अमेरिकी पत्रिकाएं पढ़ने की जगह मिली। लाइफ मैगजीन के नए अंक पढ़ता तो एक नई दुनिया में पहुंच जाता, जो मेरे हालात से बिलकुल विपरीत थी- लग्जरी कारें, हवाई जहाज, आलीशान घरों और जुनूनी एस्ट्रॉनॉट्स के कारनामे। ये तस्वीरें आने वाले कल की उम्मीद की नई खिड़कियां थीं, जहां मुझे मेरा सपना दिख रहा था।

स्कूलिंग के बाद मेरा सिलेक्शन आईआईटी बॉम्बे में हो गया। लेकिन पिता को लगा मैं एक और बेवकूफी कर रहा हूं। तब उनके कमांडिंग ऑफिसर ने उन्हें बताया कि आईआईटी में सिलेक्शन कितनी बड़ी बात है। उस दिन पहली बार घर लौटकर उन्होंने मुझे शाबाशी दी। मेरा यकीन पक्का हो गया कि तमाम नकारात्मक चुनौतियों, लगातार रिजेक्शन से सामना और ऐसे कई अंधेरों में छिपा एक जादुई, चमकीला सपना

जरूर होता है, जिसे आपको खुद खोजना पड़ता है।

आईआईटी में मैंने जो सीखा, वो आज तक कायम है- सवाल पूछो, बेसिक्स मजबूत करो और समाधान निकालो। फंडामेंटल्स यानी बेसिक्स पर बार-बार सवाल पूछते रहने की वजह से मेरा निक-नेम फंडा सिंह पड़ गया था। भारतीय मध्यमवर्ग की सोच बहुत साफ है। घर-घर में यही आवाज गूंजती है- डॉक्टर बनो, इंजीनियर बनो। लेकिन कभी कोई माता-पिता यह नहीं कहते- बेटा, उद्यमी बनो। इसके बाद सलाह मिलती है- अच्छी नौकरी पकड़ो, शादी करो, जिम्मेदार बनो। यानी एक लकीर पर चलते रहने को अनुशासन मान लिया जाता है।

अनुशासन का मतलब है वही करना जो समाज आपसे उम्मीद करता है। मल्टीनेशनल कंपनी की नौकरी और परिवार द्वारा चुनी गई लड़की से शादी को समझदारी माना जाता है। यही सलाह आपको अपने दिल की आवाज सुनने से रोकती है। उद्यमी बनना इन सब अपेक्षाओं के खिलाफ जाना है। यह रास्ता कठिन है, अकेला है और इसमें किसी से सहानुभूति की उम्मीद मत रखिए। लोग आपको पागल कहेंगे, हंसेंगे। आन्त्रप्रेन्योर को खुद को साबित करना होता है। यह आग भीतर से जलनी चाहिए। बाहर से कोई आपको प्रेरित नहीं करेगा कि आप कठिनाइयों से गुजरें।

अगर आप उद्यमी बनना चाहते हैं, तो यह समाज की तय की हुई राह से अलग है। यह कठिन है, लेकिन असली संतोष वहीं पर मिलेगा, जब आप अपनी आवाज सुनेंगे। अनुशासन का मतलब सिर्फ दूसरों की उम्मीदें पूरी करना नहीं, बल्कि अपने सपनों को जीना भी है। आइडिया ऐसा होना चाहिए कि हर शख्स सोचे- यह मेरे दिमाग में क्यों नहीं आया।

जिंदगी ने एक बात सिखाई है कि जो कोई नहीं कर रहा, वो मुझे करना है और अपनी शर्तों पर अपने तरीके से करना है। आज हिंदुस्तान में जिस तेजी से इंफ्रास्ट्रक्चर और आत्मविश्वास का विकास हो रहा है, युवाओं के लिए यहीं पर भरपूर मौके हैं। मेरा मानना है कि आने वाले समय में देश में रिवर्स ब्रेन-ड्रेन का ट्रेंड लगातार बढ़ेगा।

आपके पास कोई ऐसा आइडिया होना चाहिए कि हर शख्स सोचे- यह मेरे दिमाग में क्यों नहीं आया। जिंदगी ने मुझे एक बात सिखाई है कि जो कोई नहीं कर रहा, वो मुझे करना है और अपनी शर्तों पर, अपने ढंग से करना है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सख्त कानून और तकनीकी उपायों से हो समाधान

डॉ. सुधीर कुमार

नकली दवाओं का निर्माण और वितरण समाज के लिए गंभीर खतरा है, जिसे कड़े कानून और तकनीकी उपायों से रोका जा सकता है। क्यूआर कोड की अनिवार्यता, डिजिटल लेजर में एंट्री, नेशनल ड्रग डेटाबेस के अलावा उन्नत टेस्टिंग उपकरणों से बेहतर निगरानी व पारदर्शिता यकीनी बनेगी।

मानव जीवन की रक्षा में औषधियों की भूमिका किसी संजीवनी से कम नहीं है, परंतु जब मुनाफे की अंधी दौड़ में ये औषधियां ही जहर बन जाएं, तो समाज की नींव हिलने लगती है। जब बाजार में जीवन रक्षक दवाओं के नाम पर 'चॉक पाउडर' या 'दूषित रसायनों' का मिश्रण पहुंचता है, तो इसे केवल व्यापारिक धोखाधड़ी या बौद्धिक संपदा की चोरी मान लेना एक बड़ी भूल होगी। वास्तव में, नकली दवाओं का निर्माण और वितरण सीधे तौर पर 'हत्या का प्रयास' है, जो किसी व्यक्ति को उपचार से वंचित कर उसे मौत के मुंह में धकेल देता है।

भारत, जिसे अपनी गुणवत्ता और सामर्थ्य के कारण दुनिया की 'फार्मेसी' कहा जाता है, उसके लिए यह संकट दोहरा है। यह हमारी अंतरराष्ट्रीय साख को भी धूमिल करता है। समय की मांग है कि कानून की शक्ति और तकनीक की पारदर्शिता आपस में हाथ मिलाकर एक ऐसा अभेद्य तंत्र विकसित करें, जहां अपराधी के लिए कोई छिद्र शेष न रहे।

भारत में दवाओं के नियमन का ढांचा औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के साथ शुरू हुआ था, जो अपने समय के अनुसार एक ठोस दस्तावेज था। हालांकि, जैसे-जैसे समय बदला, अपराधियों के सिंडिकेट ने कानून की कमियों को पहचान लिया। साल 2008 में सरकार को यह आभास हुआ कि पुराने कानून में निहित मामूली जुर्माने और सजा इन बड़े गिरोहों के लिए कोई डर पैदा नहीं करते। इसी कारण अधिनियम में व्यापक संशोधन किए गए ताकि कानून के दांतों को पैना किया जा सके।

वर्तमान में, धारा 27(ए) के अंतर्गत कड़े प्रावधान किए गए हैं। यदि किसी नकली दवा के सेवन से व्यक्ति की मृत्यु होती है या उसे गंभीर शारीरिक क्षति पहुंचती है, तो दोषी को कम से कम 10 साल की कड़ी सजा का प्रावधान है, जिसे अपराध की गंभीरता के आधार पर आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है। इसके साथ ही, 10 लाख रुपये या दवा की कुल कीमत का तीन गुना तक का भारी जुर्माना लगाया जाता है। न्यायपालिका ने भी इस मुद्दे पर सख्त रुख अपनाया है। 'यूनियन ऑफ इंडिया बनाम अशोक कुमार शर्मा' (2020) जैसे ऐतिहासिक मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जन स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले अपराधियों को किसी भी प्रकार की न्यायिक रियायत या नरमी नहीं मिलनी चाहिए। अदालतों ने ड्रग इंस्पेक्टर्स की शक्तियों को स्पष्ट करते हुए उन्हें जांच, नमूना संग्रह और जब्ती की प्रक्रिया में अधिक स्वायत्तता प्रदान की है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि तकनीकी खामियों के कारण कोई अपराधी कानून की पकड़ से बाहर न निकल सके। कानून का यह प्रहार तब और प्रभावी हो जाता है जब इसे डिजिटल नवाचारों का समर्थन मिलता है। आज का दौर डेटा और पारदर्शिता का है, जहां 'ट्रैक एंड ट्रेस' तकनीक इस पूरी व्यवस्था की रीढ़ बन चुकी है। कागजी दस्तावेजों के हेरफेर के दिन अब लद चुके हैं और सरकार द्वारा शीर्ष 300 ब्रांडों पर क्यूआर कोड अनिवार्य करना इस दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।

तकनीकी मोर्चे पर सबसे शक्तिशाली समाधान 'ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी' में निहित है। यदि दवा के कच्चे माल यानी 'एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट' की खरीद से लेकर कारखाने में उसके निर्माण, फिर डिस्ट्रीब्यूटर के गोदाम और अंततः मरीज के हाथ तक पहुंचने की हर कड़ी को एक सुरक्षित 'डिजिटल लेजर' में दर्ज करें, तो हेरफेर की संभावना शून्य हो जाती है। ब्लॉकचेन की खूबी यह है कि इसमें एक बार दर्ज जानकारी को कोई भी माफिया बदल या मिटा नहीं सकता। इसके साथ ही, एक 'सेंट्रलाइज्ड नेशनल ड्रग डेटाबेस' की स्थापना अनिवार्य है। अक्सर देखा गया है कि एक राज्य में प्रतिबंधित दवा दूसरे राज्य में बेची जाती रहती है। एक एकीकृत डेटाबेस होने से किसी भी कोने में पकड़ी गई नकली दवा की जानकारी रियल-टाइम में देशभर के ड्रग इंस्पेक्टर्स को मिल सकेगी, जिससे अपराधियों के भागने के रास्ते बंद हो जाएंगे।

ड्रग विभाग की भूमिका को भी अब पारंपरिक 'इंस्पेक्टर राज' से ऊपर उठकर 'प्रौद्योगिकी मित्र' के रूप में विकसित होना होगा। अब अधिकारियों को केवल छापेमारी तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें 'डेटा एनालिटिक्स' का विशेषज्ञ बनना होगा। यदि किसी विशेष भौगोलिक क्षेत्र में किसी ब्रांड की दवा की खपत अचानक और अस्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है, तो सिस्टम को स्वतः ही 'रेड फ्लैग' या चेतावनी जारी करनी चाहिए। इसके साथ ही, ड्रग इंस्पेक्टरों को अत्याधुनिक 'हैंडहेल्ड रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी' जैसे टेस्टिंग उपकरणों से लैस किया जाना चाहिए। ये उपकरण मौके पर ही, बिना पैकिंग खोले, दवा की शुद्धता की प्राथमिक जांच कर सकते हैं, जिससे लैब रिपोर्ट के लिए महीनों तक होने वाले इंतजार को खत्म किया जा सकता है।

नकली दवाओं के जाल को काटने के लिए हर नागरिक को यह समझना चाहिए कि पक्का बिल मात्र एक रसीद नहीं, बल्कि उसका सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है, जो कानूनी लड़ाई और मुआवजे के लिए प्राथमिक सबूत बनता है। दवा खरीदते समय पैकेजिंग की बारीकियों जैसे धुंधली छपाई, गलत स्पेलिंग या टूटी सील पर पैनी नजर रखें। भारी छूट के लालच में न आएं। 'टॉर्ट लॉ' और उपभोक्ता कानूनों के तहत, नकली दवा से होने वाले शारीरिक और मानसिक नुकसान के लिए निर्माता और विक्रेता दोनों को जवाबदेह ठहराया जा सकता है। यह पीड़ित परिवारों को न केवल आर्थिक संबल देता है, बल्कि कंपनियों को अपनी सप्लाई चेन के प्रति अधिक सतर्क रहने के लिए मजबूर भी करता है।

लेखक कुरुक्षेत्र विवि के विधि विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं।

रोने से कुछ हासिल नहीं होगा

पश्चिमी अर्थशास्त्रियों ने कहा है कि चीन ने गैर-बाजार नीतियों पर चलते हुए फ्री मार्केट अर्थव्यवस्थाओं को अपने सस्ते उत्पादों से पाट दिया है। इस कारण वहां के उद्योग-धंधों के लिए प्रतिकूल परिस्थितियां बनी हैं। मगर हल क्या है?

साल 2025 में चीन से व्यापार में भारत का घाटा रिकॉर्ड 116.12 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। चीन सरकार के आंकड़ों के मुताबिक बीते साल भारत का निर्यात 5.5 प्रतिशत बढ़ते हुए 19.75 बिलियन डॉलर पहुंच गया, लेकिन चीन से आयात 12.8 फीसदी बढ़ कर 135.87 बिलियन डॉलर तक जा पहुंचा। 2024 में चीन से भारत का व्यापार घाटा 99 बिलियन डॉलर था। इन आंकड़ों ने देश में फिर बेचैनी पैदा की है। मगर ऐसा नहीं लगता कि इसकी बुनियादी वजहों पर कोई ऐसी ठोस चर्चा होगी, जिससे समाधान की तरफ बढ़ने में मदद मिले।

ऐसी चर्चा के लिए चीन की निर्यात क्षमता के गंभीर आकलन की जरूरत होगी। 2025 में चीन ने 1.2 ट्रिलियन डॉलर का व्यापार लाभ कमाया, जो ऐतिहासिक रिकॉर्ड है। ऐसा अमेरिका के लिए निर्यात में 20 प्रतिशत गिरावट के बावजूद हुआ। उसने यूरोप, अफ्रीका, आसियान समूह और भारत जैसे देशों में बड़ी मात्रा में निर्यात बढ़ाने में कामयाबी पा ली। इस तरह उसने अपनी अर्थव्यवस्था को अमेरिका के व्यापार युद्ध से अप्रभावित बनाए रखा है। पश्चिमी अर्थशास्त्रियों ने इसका कारण उसकी अत्यधिक उत्पादन क्षमता एवं देश के अंदर कम उपभोग को बताया है। कहा है कि चीन ने गैर-बाजार नीतियों पर चलते हुए फ्री मार्केट अर्थव्यवस्थाओं को अपने सस्ते उत्पादों से पाट दिया है। इस कारण वहां के उद्योग-धंधों के लिए प्रतिकूल परिस्थितियां बनी हैं।

मगर हल क्या है? पश्चिमी देश अपने यहां मजदूरी महंगी होने को समाधान के रास्ते में बाधा बताते हैं। मगर भारत जैसे देश पर तो यह बात लागू नहीं होती। भारत में औसत मजदूरी चीन से छह गुना सस्ती है। यह भारत के लिए लाभ का पहलू है। फिर भी भारत को इसका फायदा नहीं मिल रहा है, तो कारण इन्फ्रास्ट्रक्चर का महंगा एवं अपर्याप्त होना, अनुसंधान पर न्यून खर्च, और कुशल कर्मियों का अभाव है। साथ ही उद्योग घरानों की कायम हुई मोनोपॉली या कार्टेल बनाने की उनकी प्रवृत्तियों ने बाजार में प्रतिस्पर्धा कुंद कर रखी है। इन मसलों का हल भारतीय नीति-निर्धारकों को ही ढूंढना होगा। चीन से आयात-निर्यात के आंकड़ों पर साल-दर- साल रोने से कुछ हासिल नहीं होगा।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

अभिषेक शांडिल्य बने दुर्ग रेंज के नए आईजी

दुर्ग। भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी अभिषेक शांडिल्य (भापुसे) ने शुक्रवार को पुलिस महानिरीक्षक, दुर्ग रेंज का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर पूर्व आईजी रामगोपाल गर्ग ने उन्हें शुभकामनाएँ दीं। पदभार ग्रहण करने के पश्चात शांडिल्य ने दुर्ग रेंज के अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और रेंज की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण तथा समग्र पुलिसिंग व्यवस्था से जुड़े अहम विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

नेताजी सुभाष जयंती पर प्रतिमा पर माल्यार्पण व सभा

भिलाई। सुपेला अंडर ब्रिज के पास प्रियदर्शनी परिसर में 129वीं क्रांतिकारी नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती के अवसर पर नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस के देशभक्ति से परिपूर्ण कार्यों और उनके विचारों का संदेश आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचना अत्यंत आवश्यक है। आज़ादी को हम बलिदान, त्याग और पराक्रम दिवस के रूप में मनाते हैं। कार्यक्रम में समाजसेवी श्रमिक नेता प्रशांत क्षीरसागर, किशोर कन्नौजे एवं मनोज ठाकरे ने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सुभाष चंद्र बोस एक महान भारतीय राष्ट्रवादी नेता थे। हिन्द सेना ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती पर देशभर में भव्य राष्ट्रभक्ति पूर्ण कार्यक्रम संपन्न।

नेताजी के आदर्शों को जीवंत करने का संकल्पः दक्ष वैद्य

भिलाई। नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की 129वीं जयंती पर संगठन हिन्द सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्रालय सदस्य मंगेश वैद्य के निर्देशानुसार कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। नेताजी के अमर जीवन, साहसिक संघर्ष और 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' जैसे प्रेरक उद्घोषों को याद कर युवाओं को राष्ट्रसेवा के पथ पर प्रेरित किया गया। हिन्द सेना के युवा ब्रिगेड राष्ट्रीय दक्ष वैद्य ने कहा, नेताजी सुभाष चंद्र बोस केवल एक स्वतंत्रता सेनानी नहीं, बल्कि भारत के युवाओं के प्रेरणास्रोत थे।

मेयर अलका ने 15 आश्रितों को सौंपा अनुकंपा नियुक्ति पत्र

दुर्ग। बसंती पंचमी पर निगम में 15 आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति का पत्र सौंपा गया। वहीं 40 रिटायर कर्मचारियों के खाते में कुल 92.83 लाख जमा किए गए। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम परिवार अपने कर्मचारियों और उनके आश्रितों के साथ हर परिस्थिति में मजबूती से खड़ा है। सेवा के दौरान एवं सेवा उपरांत कर्मचारियों व उनके परिवारों के सम्मानपूर्वक जीने की व्यवस्था करना निगम की नैतिक जिम्मेदारी है।

सेल गौरव दिवस पर भिलाई में मेगा म्यूजिकल नाइट आज; साधना सरगम बिखेरेंगी जादू

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा कंपनी स्थापना के गौरवपूर्ण उपलक्ष्य 'सेल गौरव दिवस' के अवसर पर दिनांक 24 जनवरी, 2026 को भिलाई में एक सांस्कृतिक संध्या 'साधना सरगम नाइट' का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन संयंत्र की समृद्ध विरासत, सामूहिक उपलब्धियों तथा इस्पात परिवार की एकता के उत्सव के रूप में आयोजित किया जा रहा है।

इस विशेष अवसर पर जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारीगण, पुलिस प्रशासन के अधिकारी, नगर के गणमान्य नागरिकों सहित भिलाई इस्पात संयंत्र के वरिष्ठ प्रबंधन के सदस्य उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में संयंत्र की स्थापना एवं विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सेवानिवृत्त अधिकारी भी आमंत्रित हैं। वर्तमान एवं पूर्व अधिकारियों की सहभागिता 'सेल गौरव दिवस' की मूल

भावना को साकार करेगी।

कार्यक्रम में भारतीय संगीत जगत की सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका साधना सरगम अपनी 25 सदस्यीय पेशेवर टीम (वाद्य कलाकार एवं तकनीकी सहयोगियों) के साथ सायं 7:00 बजे से प्रस्तुति देंगी। लाइव ऑर्केस्ट्रा के साथ प्रस्तुत किए जाने वाले गीतों के लिए आयोजन स्थल पर विशेष एकॉस्टिक्स और साउंड की व्यवस्था की गई है। आयोजन स्थल पर लगभग 4000 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम की गरिमा एवं दर्शकों की संख्या को दृष्टिगत रखते हुए संयंत्र सुरक्षा विभाग एवं जिला पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन की व्यवस्था की जा रही है। यह आयोजन उन सभी पूर्वजों एवं साथियों के सम्मान का भी प्रतीक है, जिन्होंने भिलाई इस्पात संयंत्र को वर्तमान ऊँचाइयों तक पहुँचाने में योगदान दिया है। जिला प्रशासन एवं गणमान्य नागरिकों की सहभागिता इस आयोजन को एक व्यापक सामुदायिक उत्सव का स्वरूप प्रदान करेगी।

खुर्सीपार और सिरसा तिराहे पर फ्लाईओवर को मिली मंजूरी, मिलेगी ट्रैफिक जाम से मुक्ति

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नेशनल हाइवे पर नेहरू नगर से लेकर कुम्हारी तक चार फ्लाईओवर तो बन गया पर खुर्सीपार तिराहा व भिलाई तीन के सिरसा गेट चौक छूट गए। इसके कारण यहां अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। अब इस समस्या से छुटकारा मिल जाएगा। एनएच के अधिकारी ने बताया कि खुर्सीपार तिराहा व भिलाई तीन के सिरसा गेट चौक पर फ्लाईओवर निर्माण की स्वीकति मिल चुकी है।

शुक्रवार को यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल भी शामिल हुए। बैठक में लोक निर्माण विभाग (एनएच) के अधिकारी ने बताया कि सिरसा एवं खुर्सीपार में दो फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण को स्वीकृति मिली है। फ्लाईओवर बनने के बाद वाहनों का सुचारू आवागमन सुनिश्चित होगा, दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी।

कलेक्टर सिंह ने जिले में यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने तथा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी उपाय अपनाने के निर्देश दिए।

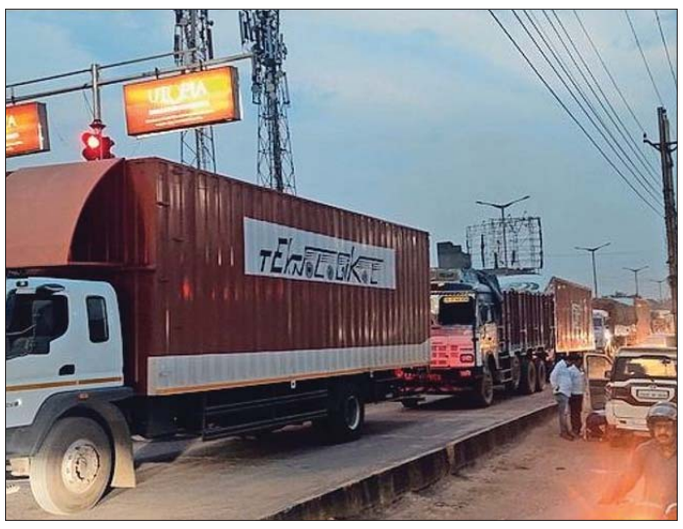

उन्होंने दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में आवश्यकता अनुसार रिफ्लेक्टर, स्पीड ब्रेकर एवं स्ट्रीट लाइट लगाने के निर्देश दिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अग्रवाल ने परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया कि हाईवा वाहनों में निर्धारित मानकों के अनुरूप रिफ्लेक्टर अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। साथ ही सिविक क्षेत्रों में भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध हेतु यूनिपोल लगाने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में एएसपी यातायात ऋचा मिश्रा, नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव पाण्डेय, नगर निगम दुर्ग के आयुक्त सुमीत अग्रवाल, नगर निगम भिलाई चरोदा के आयुक्त दशरथ राजपूत, नगर निगम रिसाली आयुक्त मोनिका वर्मा, संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी, एसडीएम पाटन लवकेश ध्रुव, एसडीएम भिलाई-03 महेश राजपूत, एसडीएम धमधा सोनल डेविड, आरटीओ एसएल लकड़ा, एनएचएआई के परियोजना निदेशक दिग्विजय सिंह, एनएचआई के कार्यपालन अभियंता गोविंद अहिवार, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता आशीष भट्टाचार्य, सहित अन्य पुलिस अधिकारी और बीएसपी के अधिकारी उपस्थित थे।

अवैध पार्किंग कराने वाले ठेकेदार पर कार्रवाई का निर्देश

बैठक में सुपेला मार्केट क्षेत्र में सड़क पर अवैध पार्किंग कराने वाले पार्किंग ठेकेदारों के विरुद्ध वाहन जब्ती की कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने सड़क किनारे किए गए सभी प्रकार के अतिक्रमण तत्काल हटाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में पूर्व बैठक की पालन प्रतिवेदन की विभागवार समीक्षा की गई, जिसमें अधिकारियों ने पूर्ण कार्य, अद्यतन प्रगति एवं की गई विभागीय कार्यवाही की जानकारी दी। साथ ही जिले की सड़कों में यातायात सुरक्षा को और सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न सुझावों पर विचार-विमर्श कर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

67 वर्षीय मरीज को रायपुर पहुंचाने जिला पुलिस ने बनाया ग्रीन-कॉरीडोर

ऑपरेशन सुरक्षा के तहत आपातकालीन उपाय

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। ऑपरेशन सुरक्षा के तहत यातायात पुलिस द्वारा त्वरित ग्रीन कॉरिडोर बनाकर 67 वर्षीय महिला मरीज को सुरक्षित भिलाई से रायपुर अस्पताल पहुँचाया गया। मरीज को हार्ट अटैक की गंभीर स्थिति में रेफर किया गया था।

23 जनवरी को यातायात पुलिस द्वारा ऑपरेशन सुरक्षा के अंतर्गत मानव सेवा एवं आपातकालीन प्रबंधन का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए एक गंभीर रूप से बीमार मरीज के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। शीला देवी, उम्र 67 वर्ष, निवासी रिसाली, भिलाई को हार्ट अटैक आने के बाद स्पर्श हॉस्पिटल, भिलाई में भर्ती कराया गया था। मरीज की स्थिति गंभीर होने पर डॉक्टरों द्वारा उन्हें रामकृष्ण हॉस्पिटल, रायपुर रेफर किया गया। मामले की संवेदनशीलता एवं समय की गंभीरता को देखते हुए यातायात पुलिस द्वारा तत्काल रूट क्लियरेंस करते हुए ग्रीन कॉरिडोर तैयार किया गया। मार्ग में तैनात यातायात बल द्वारा समन्वय बनाकर सिग्नल क्लियर कराए गए तथा अन्य वाहनों को नियंत्रित करते हुए एम्बुलेंस को निर्बाध मार्ग उपलब्ध कराया गया। परिणामस्वरूप लगभग 40 मिनट के भीतर मरीज को सुरक्षित रूप से रामकृष्ण हॉस्पिटल, रायपुर पहुँचाया गया, जहाँ उनका उपचार जारी है।

यह कार्यवाही यातायात पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली, अनुशासित ट्रैफिक प्रबंधन एवं आपातकालीन सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

ग्राम दारगांव में प्रेरणा सम्मेलन : महिला कमांडो को सिविल डिफेंस का प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के दिशा-निर्देशानुसार ग्राम दारगांव में महिला कमांडो सिविल डिफेंस प्रशिक्षण एवं प्रेरणा सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 4 जिलों के 40 गांवों की 200 महिला कमांडो शामिल हुई।

थाना धमधा क्षेत्र के ग्राम दारगांव में महिला कमांडो सिविल डिफेंस प्रशिक्षण एवं प्रेरणा सम्मेलन का आयोजन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल के दिशा-निर्देशानुसार किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पद्मश्री शमशाद बेगम रहीं। सम्मेलन में दुर्ग, बालोद, बेमेतरा एवं कबीरधाम जिलों के लगभग 40 गांवों से 200 महिला कमांडो ने सहभागिता की। महिला कमांडो को सिविल डिफेंस एवं आपदा प्रबंधन का विधिवत प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा कानून के दायरे में रहकर कार्य करने, किसी भी परिस्थिति में कानून हाथ में न लेने एवं शांतिपूर्ण तरीके से जागरूकता अभियान चलाने के संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए।

सिविल डिफेंस प्रशिक्षण के तहत आपदा प्रबंधन एवं नागरिक सुरक्षा का विधिवत प्रशिक्षण दिया गया। सदैव कानून के दायरे में रहकर कार्य करने के लिए विधिक जानकारी। किसी भी परिस्थिति में कानून हाथ में न लेने की स्पष्ट हिदायत दी गई। सामाजिक जागरूकता अभियान शांतिपूर्ण एवं वैधानिक तरीके से संचालित करने के निर्देश दिए गए। आपदा/आपात स्थिति में पुलिस व प्रशासन से बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के दिशा-निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के माध्यम से महिला कमांडो को कैप एवं बैच प्रदान कर सम्मानित किया गया।

24 जनवरी सेल स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भिलाई इस्पात संयंत्र ने रन फॉर सेल का आयोजन किया। जयंती स्टेडियम में बड़ी संख्या में बच्चे पहुंचे।

बसंत पंचमी पर दिव्य अनुभूति विद्यालय का नवाचार

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं-महिलाओं का किया सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। दिव्य अनुभूति विद्यालय द्वारा बसंत पंचमी के अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता महिलाओं का सम्मान किया गया। बसंत पंचमी के अवसर पर सर्वप्रथम विद्या की देवी मां सरस्वती के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण पर दीप प्रज्वलन किया गया। अतिथियों का स्वागत प्राचार्य जेपी घनघोरकर द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि रजनी बघेल ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का दिव्य अनुभूति विद्यालय व महेश वर्मा पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा भिलाई द्वारा सम्मान किया और कहा कि आप सभी सरकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने में बड़ी

भूमिका आप सभी की होती है। आपका योगदान महत्वपूर्ण है।

महेश वर्मा ने कहा कि बसंत पंचमी पर विद्यालय प्रबंधन का यह प्रयास सराहनीय है।

भाजयुमो प्रदेश प्रमुख आईटी अमित मिश्रा ने कहा कि बसंत पंचमी का यह त्योहार प्रकृति में नई ऊर्जा और उल्लास का प्रतीक है, जो जीवन में ज्ञान और रचनात्मकता लाने का संदेश देता है। शीत ऋतु के अंतिम और बसंत ऋतु के आरम्भ में शुक्ला पक्ष की पंचमी को यह त्यौहार मां सरस्वती की पूजा अर्चना किया जाता है!

हरिभूमि के संदीप उपाध्याय ने स्कूल प्रबंधन के कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पर पढ़ने वाले छात्रों को शिक्षा के साथ संस्कार भी सिखाए जाते है!

मुख्य अतिथि के रूप में रजनी बघेल, अन्य अतिथियों में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष व पार्षद महेश वर्मा, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष स्वीटी कौशिक, दिव्य भसीन, भाजयुमो प्रदेश प्रमुख आईटी अमित मिश्रा, पत्रकार संदीप उपाध्याय, सहकारिता प्रकोष्ठ जिला संयोजक महेंद्र शर्मा, समाजसेवी कन्हैया सोनी, शारदा गुप्ता, उपस्थित रहे।

कन्या महाविद्यालय में निराला जयंती एवं बसंत पंचमी पर विचार विमर्ष का आयोजन

दुर्ग। शासकीय डॉ वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा वसंत पंचमी के अवसर पर निराला जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर प्राचार्य डॉ रंजना श्रीवास्तव ने कहा- कि वसंत पंचमी ऋतुओं के परिवर्तन का पर्व है। यह विद्या की देवी माँ सरस्वती का यह अवतरण दिवस है। उन्होंने निराला जी के साहित्यिक अवदान पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को साहित्य के सृजन व अध्ययन के लिए प्रेरित किया। डॉ सुषमा यादव ने कहा- कि वसंत पंचमी के आगमन पर प्रकृति का कण-कण खिल उठता है, वातावरण में एक नई चेतना की संचार होता है। हमें इस ऊर्जा का अपने जीवन में प्रयोग करना चाहिए। यह पर्व प्रकृति के साथ जुड़ाव व सकारात्मक जीवन शैली का संदेश देता है। श्रीमती ज्योति भरणे, सहायक प्राध्यापक, हिन्दी ने कहा-कि निराला का जीवन तत्कालीन जीवन व जगत की विविधता से भरा है जिसमें क्रांतिकारी विचारों की ज्वाला धधक रही है, तो पुरानी रूढ़ियों एवं परम्पराओं के विनाश का तीव्र स्वर भी है। पूंजीपतियों द्वारा मजदूरों के शोषण की चीख पुकार है। इस अवसर पर कविता मालेकर, आर्या अवस्थी, हीना पाल, हुनेश्वरी, पृथ्वी ढीमर, सुमन यादव, मान्या तिवारी आदि छात्राओं ने निराला जी के व्यतिव, कृतित्व पर प्रकाश डाला।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

रायपुर के प्रथम पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा से की सौजन्य भेंट

रायपुर। रायपुर के नवनियुक्त प्रथम पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा से नवा रायपुर स्थित महानदी भवन में सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर राजधानी रायपुर की कानून-व्यवस्था, शहरी सुरक्षा की चुनौतियों तथा सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के विषय पर विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने नागरिक सुरक्षा, ट्रैफिक प्रबंधन एवं प्रशासनिक समन्वय को प्रभावी बनाने जैसे बिंदुओं पर भी विचार-विमर्श किया। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि राजधानी रायपुर को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और नागरिकों के लिए अधिक अनुकूल बनाने हेतु राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने प्रशासनिक स्तर पर समन्वय के साथ कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। नवनियुक्त कमिश्नर संजीव शुक्ला ने राजधानी की सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता व्यक्त की।

सास-बहु सम्मेलन में दी गई पीएम मातृ वंदना योजना की जानकारी

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे के निर्देश पर महिला एवं बाल विकास विभाग के कोसीर परियोजना में गुरुवार को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना अंतर्गत शिशुवती, गर्भवती महिलाओं के लिए सास बहू सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा शामिल हुई। उन्होंने उपस्थित महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने, समय पर जांच व टीकाकरण कराने और सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाएं, किशोरी बालिकाएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य सभी हितग्राहियों को योजना की जानकारी प्रदान करना, पात्र महिलाओं को शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करना और मातृ-शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाकर परिवार में स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना था। सम्मेलन में पर्यवेक्षक चंचन वारे ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

प्लेसमेंट शिविर में 40 से अधिक युवाओं ने लिया भाग

दंतेवाड़ा। जिले के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यूथ हब, बीपीओ भवन, जावंगा (गीदम), में एक दिवसीय प्लेसमेंट शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में जिले के 40 से अधिक युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्लेसमेंट शिविर के दौरान डीओएसटी संस्था द्वारा तकनीकी सहायक पद के लिए युवाओं का प्रत्यक्ष साक्षात्कार लिया गया। साक्षात्कार प्रक्रिया के अंतर्गत अभ्यर्थियों के शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों की जांच की गई तथा उनके कौशल, अनुभव एवं कार्यक्षमता का मूल्यांकन किया गया। इस प्रक्रिया में कुल 13 युवाओं का चयन प्रस्तावित किया गया है। इस अवसर पर यूथ हब प्रबंधक ने बताया कि यूथ हब का मुख्य उद्देश्य जिले के अधिक से अधिक युवाओं को नौकरी एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना है।

नई पीढ़ी को साहित्य की समझ सिखाने साहित्य उत्सव बहुत जरूरी - हरिवंश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की साहित्यिक, बौद्धिक एवं वैचारिक चेतना को राष्ट्रीय विमर्श से जोड़ने पुरखौती मुक्तांगन में आयोजित रायपुर साहित्य उत्सव 2026 के पहले दिन आज राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश और साहित्य आज तक के संपादक जयप्रकाश पाण्डेय के बीच संवाद हुआ।

उन्होंने यहां अनिरुद्ध नीरव मंडप में हुए संवाद सत्र में भारत की विकास गाथा तथा साहित्य को युवाओं के बीच पहुंचाने पर चर्चा की। राज्यसभा के उप सभापति श्री हरिवंश ने चर्चा के दौरान कहा कि वर्तमान का साहित्य ही समाज को एक कर सकता है। साहित्य में वह ताकत है कि यह अलग-अलग विचारों, अलग-अलग समाजों एवं अलग-अलग राज्यों में रहने वाले लोगों के वैचारिक टकरावों को खत्म कर सकता है। रायपुर साहित्य उत्सव जैसे आयोजन समाज को जोड़ने के लिए तथा आने वाली पीढ़ी को साहित्य की समझ सिखाने के लिए बहुत जरूरी है।

श्री हरिवंश ने कहा कि हमारे गांव, हमारे राज्य और हमारे देश में ऐसे अनेक ऐतिहासिक धरोहर, ऐतिहासिक किताब, महान इतिहासकार और साहित्यकार हुए हैं, जिन पर हमें गर्व होना चाहिए। लेकिन हम में हीनता का इतना ज्यादा बोध है कि हम विदेशी चीजों से ज्यादा प्रभावित हो गए हैं। हमारे देश का साहित्य इतना समृद्ध है कि विदेश के लोग इससे सीख सकते हैं। यह हीनता बोध तभी खत्म हो पाएगा जब रायपुर साहित्य उत्सव जैसे आयोजन देश के हर जिले और हर राज्य में होगा। उन्होंने देश की संस्कृति और हर गांव के धरोहरों पर लिखने पर जोर दिया।

श्री हरिवंश ने कहा कि भारत मशाल जलाकर दुनिया को राह दिखा रहा है। 2014 के बाद भारत लगातार विकास की ओर अग्रसर है। किसी भी देश के विकास का परिचय वहां के गांव और अंतिम छोर के निवासी से मिलता है। आज भारत के गांवों में पक्के घर हैं, पूरे देश में डिजिटल क्रांति के तहत यूपीआई पेमेंट हो रहे हैं।

राज्यपाल डेका एवं मुख्यमंत्री साय ने मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

प्रशस्ति पत्र और डेढ़-डेढ़ लाख की सम्मान राशि से 239 विद्यार्थी सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में 10वीं एवं 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। ये 2024 एवं 2025 के टॉप 10 मेधावी और विशेष पिछडी जनजाति के टॉप 01 विद्यार्थी है। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम् में माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित इस प्रतिभा सम्मान समारोह में पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना के तहत विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बोर्ड परीक्षाएं हमारे जीवन के लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रथम सीढ़ी है। आपने एक पड़ाव पार किया है अब अगले पड़ाव की ओर जा रहे है। जहां एक ओर इस सफलता की प्रेरणा आपको नवीन ऊर्जा के साथ प्रगति का रास्ता प्रशस्त करती है और वहीं यह सम्मान अन्य विद्यार्थियों को मेहनत, लगन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है।

राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपार संभावनाओं का प्रदेश है। ''धान का कटोरा'' कहा जाने वाला हमारा राज्य अब शिक्षा के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बनाने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति बहुत उन्नत है। हमें अपने राज्य की सनातन संस्कृति पर गर्व का भाव होना चाहिए।

श्री डेका ने कहा कि विद्यार्थी आईआईटी, नीट की परीक्षा देकर इंजीनियरिंग और मेडिकल मे जाना चाहते है लेकिन सभी को सफलता नहीं मिलती है। इसके लिए निराश होने की जरूरत नहीं हैं। नए-नए विषय है जहां आप कैरियर की ऊची उड़ान भर सकते है। धैर्य के साथ आगे बढ़े। गिरना बडी बात नहीं है गिर कर खड़े होना महत्वपूर्ण है। सपना बड़ा होना चाहिए। सपनें को पूरा करने के लिए साधना और अभ्यास करना होता है। उन्होंने मौलिकता और नवाचार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के बच्चें शिक्षा में आगे बढ़ रहे है, यह बहुत सराहनीय है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विद्यार्थियों से कहा कि आप सभी हमारे देश एवं प्रदेश के भविष्य हो। आप लोगों के कंधे पर देश की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। आज जो सफलता आप सभी छात्रों को मिली है निश्चित ही इस सफलता के पीछे आपके शिक्षक गुरुओं एवं माता पिता के आशीर्वाद है। उनके आशीर्वाद के बिना यह संभव नहीं है। इस दौरान उन्होंने सभी प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन और बसंत पंचमी पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा हम सब पर सदैव मां सरस्वती का आशीर्वाद बना रहें।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने बताया कि सत्र 2024 एवं 2025 के 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के 239 मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन स्वरूप मेडल, प्रशस्ति पत्र और प्रत्येक विद्यार्थी को डेढ़-डेढ़ लाख की राशि सीधे उनके खाते में दी गई है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को दिए इस प्रोत्साहन से शिक्षा के प्रति उनका रूझान बढ़ेगा और दूसरे विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी।

कार्यक्रम में वर्ष 2024 के 110 और वर्ष 2025 के 129 टापर विद्यार्थियों को पुरस्कार दिए गए। हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल के प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सिल्वर मेडल प्रदान किया गया साथ ही विशेष पिछड़ी जनजाति के विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया। स्वागत उद्बोधन छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल की अध्यक्ष रेणु जी. पिल्ले ने दिया एवं आभार प्रदर्शन सचिव पुष्पा साहू ने किया।

इस अवसर पर विधायक मोतीलाल साहू, आशाराम नेताम, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक, छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया मोबाइल मेडिकल यूनिट का शुभारंभ

छत्तीसगढ़ सरकार की जनसेवा में नई पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राज्य सरकार का नारा जनसेवा में समर्पित छत्तीसगढ़ सरकार, अब स्वास्थ्य सेवाएं सीधे आपके द्वार अब साकार हो रहा है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने निज निवास लखनपुर सरगुजा से पीएम जनमन मोबाइल मेडिकल यूनिट वैन को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया।

इस अवसर पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार दूरस्थ और आदिवासी अंचलों में रहने वाले भाइयों-बहनों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है। यह मोबाइल मेडिकल यूनिट्स उन क्षेत्रों तक पहुंचेंगी जहां स्थायी स्वास्थ्य केंद्रों की कमी है। इनके माध्यम से समय पर जांच, निदान और उपचार सुनिश्चित होगा, जिससे ग्रामीणों को अस्पताल जाने की परेशानी से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने आगे बताया कि इन यूनिट्स में विभिन्न सामान्य बीमारियों जैसे बुखार, खांसी, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, एनीमिया आदि की जांच की सुविधा उपलब्ध होगी।

साथ ही, जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की जाएंगी। मंत्री महोदय ने कहा, यह योजना सरगुजा जिले के दूरस्थ गांवों के लिए वरदान साबित होगी। हमारा लक्ष्य है कि कोई भी व्यक्ति स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित न रहे। सरकार की यह पहल जन-कल्याणकारी योजनाओं की दिशा में एक और मील का पत्थर है। शुभारंभ समारोह में स्थानीय जनप्रतिनिधि, स्वास्थ्य अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे। मोबाइल मेडिकल यूनिट सरगुजा जिले के विभिन्न ब्लॉकों में घूम-घूमकर सेवाएं प्रदान करेगी, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हो सकेगा।

रायपुर साहित्य उत्सव 2026 : डिजिटल साहित्य प्रकाशकों के लिए चुनौती पर सार्थक विमर्श

साहित्य के लिए डिजिटल माध्यम चुनौती नहीं, बल्कि अवसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर साहित्य उत्सव 2026 के अंतर्गत आदि से अनादि तक थीम पर आयोजित सत्रों की श्रृंखला में अनिरुद्ध नीरव मंडप में एक विचारोत्तेजक चर्चा सत्र संपन्न हुआ। डिजिटल साहित्य : प्रकाशकों के लिए चुनौती विषय पर केंद्रित इस सत्र में डिजिटल युग में साहित्य प्रकाशन की बदलती प्रकृति, संभावनाओं और चुनौतियों पर गंभीर विमर्श किया गया। सत्र में प्रभात प्रकाशन, दिल्ली के प्रतिनिधि प्रभात कुमार ने डिजिटल माध्यमों के प्रभाव पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि ई-बुक्स, ऑडियो बुक्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ने साहित्य को व्यापक पाठक वर्ग तक पहुँचाने के नए अवसर प्रदान किए हैं। साथ ही, उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि डिजिटल परिवर्तन के चलते पारंपरिक प्रकाशन मॉडल को नई प्रतिस्पर्धा और संरचनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सत्र के सूत्रधार डॉ. सुधीर शर्मा वैभव प्रकाशन, रायपुर ने डिजिटल तकनीक, कॉपीराइट संरक्षण, पाठकों की बदलती रुचियों और साहित्यिक गुणवत्ता बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर संवाद को आगे बढ़ाया। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि डिजिटल माध्यम को चुनौती नहीं, बल्कि अवसर के रूप में अपनाकर नवाचार के जरिए साहित्य प्रकाशन को और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है।

विकास को मिल रहा नया आयामः दूरस्थ अंचलों तक पहुंच रहा है सड़क नेटवर्क

मुख्यमंत्री साय के निर्देश पर 6 सड़कों के निर्माण के निर्माण के लिए मिली 18.26 करोड़ की स्वीकृति

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के दूरदर्शी एवं जनहितैषी नेतृत्व में जशपुर जिले में विकास कार्यों ने अभूतपूर्व गति पकड़ी है। उनके मार्गदर्शन में जिले में प्रगति और समृद्धि के नए द्वार खुल रहे हैं। विशेष रूप से अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा मानी जाने वाली सड़कों एवं पुल-पुलियों के निर्माण में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

जिससे जिले की तस्वीर तेजी से बदल रही है और आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। पिछले दो वर्षों के दौरान जिले में कुल 914 करोड़ 94 लाख रुपए की लागत के 603 सड़कों की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इसी विकास यात्रा को और आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर जशपुर जिले में 18.26 करोड़ रुपए की लागत से 6 नई सड़कों के निर्माण हेतु प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिन 6 सड़कों की स्वीकृति प्राप्त हुई है, उनमें 03 करोड़ 91 लाख 68 लाख रूपए लागत के भट्ठा से सरगुजा सीमा तक सड़क मार्ग। जिसकी लंबाई 4 किलोमीटर है। इसी तरह 04 करोड़ 38 लाख 24 हजार रूपए लागत के 4.42 किमी लंबी बांसटोली से पण्डुटोली पहुंच मार्ग, 02 करोड़ 53 लाख रूपए लागत के 2.52 किमी लंबी दुर्गापारा से फरसापानी मैनी पहुंच मार्ग पुल-पुलिया सहित, 02 करोड़ 62 लाख 69 हजार रूपए लागत के 2.34 किमी लंबी सरडीह से पतरापारा पहुंच मार्ग, 02 करोड़ 36 लाख 54 हजार रूपए लागत के 1.75 किमी लंबी जरूड़ाड से टटकेला पहुंच मार्ग और 02 करोड़ 44 लाख 76 हजार रूपए लागत के 2.50 किमी लंबी बांसाटोली से अकरीकोना पहुंच मार्ग के निर्माण शामिल है।

मुख्यमंत्री साय के निर्देशानुसार अधोसंरचना विकास की दिशा में हो रहे प्रयासों से जिले के हर कोने में विकास की रोशनी पहुंच रही है। दूरस्थ क्षेत्रों में निवास कर रहे समुदायों को विद्यालयों, सेवाओं, अस्पतालों तथा मंडियों से जोड़ने के लिए सड़कों का निर्माण और सुधार होने से उन्हें सहूलियत मिलने के साथ ही इन समुदायों को विकास की मुख्यधारा में जोड़ने में भी आसानी होती है। अच्छी सड़कें विकास की भी कुंजी भी कही जाती है। सुरक्षित, पक्की सड़कें जिनका उपयोग मौसम के सभी हालातों में किया जा सकता है, जो पहले कभी दुर्गम रास्तों से होकर अस्पताल पहुंचते थे, देरी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती थी, अब आधुनिक चिकित्सा केन्द्र तक आसानी से पहुंच सकते हैं। कई शोध बताते हैं कि स्कूलों, कॉलेजों तक पहुंच मार्ग हो जाने से ड्रॉप आऊट संख्या में भी कमी आती है। बाजार तक पहुंच आसान होने से किसानों को फसल का बेहतर मूल्य भी मिल पाता है।

सड़कों का यह व्यापक विस्तार न केवल आवागमन को सुगम बना रहा है, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार ला रहा है। जिले के लोग इन विकास परियोजनाओं के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त कर रहे हैं।

नालंदा परिसर फेज-2 में पढ़ने वाले युवा गढ़ेंगे अपनी सफलता का नया इतिहासः साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने बसंत पंचमी के दिन रायपुर में नए नालंदा परिसर का भूमिपूजन किया। एनआईटी के सामने जीई रोड के किनारे 21 करोड़ 7 लाख रुपए की लागत से इस 1017 सीटर नालंदा परिसर फेज-2 का निर्माण किया जा रहा है। इससे शहर में उच्च शिक्षा हासिल कर रहे तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को तैयारी का अच्छा माहौल मिलेगा।

उन्हें ऑनलाइन तथा ऑफ्लाइन लाइब्रेरी के साथ ही अच्छी गुणवत्ता की अध्ययन सामग्री भी मिल सकेगी। वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप, विधायकगण सर्वश्री राजेश मूणत, सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा तथा रायपुर की महापौर मीनल चौबे भी भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुईं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को बसंत पंचमी की बधाई दी। उन्होंने भारतमाता के वीर सपूत नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती पर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि नालंदा परिसर फेज-2 में आने वाले विद्यार्थियो को माता सरस्वती की कृपा प्राप्त होगी। श्री साव ने कहा कि नालंदा परिसर फेज-2 इस बात का उदाहरण है कि श्री विष्णु देव साय की सरकार युवाओं के उज्जवल भविष्य के लिए सभी संसाधन मुहैया कराने के लिए तत्पर है। उन्होंने उम्मीद जताई कि वर्तमान में संचालित नालंदा परिसर की तरह ही यह नया परिसर भी युवाओं के लिए बहुत लाभप्रद होगा और यहां अध्ययन करने वाले युवा प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का नया इतिहास गढ़ेंगे। श्री साव ने कार्यक्रम में पीएम स्वनिधि के हितग्राहियों को चेक भी वितरित किए।

वन एवं पर्यावरण तथा रायपुर जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि आज बसंत पंचमी के शुभ और पावन अवसर पर राज्य सरकार की ओर से राजधानीवासियों को शानदार सौगात मिल रही है। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव के नेतृत्व में तथा स्थानीय विधायक श्री राजेश मूणत की लगातार कोशिशों के परिणाम शहर को मिल रहे हैं। रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेश मूणत ने नालंदा परिसर फेज-2 के निर्माण के लिए उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस एजुकेशन हब में हम शिक्षा का विकास करने का संकल्प पूरा करेंगे। यहां चारों ओर शिक्षण संस्थाएं हैं। पिछले दो सालों में रायपुर शहर सहित पूरे छत्तीसगढ़ का अच्छा विकास हुआ है। निर्माण और विकास के कार्यों में तेजी आई है।

ऐसा होगा नया नालंदा परिसर

रायपुर नगर निगम के आयुक्त विश्वदीप ने बताया कि 21 करोड 7 लाख रुपए की लागत से बनने वाले 1017 सीटर नालंदा परिसर फेज-2 में 90 सीटों वाला व्याख्यान कक्ष भी रहेगा जो किराए पर उपलब्ध रहेगा। साथ ही 24 घंटे को-वर्किंग स्पेस, 950 से अधिक दोपहिया वाहनों तथा 75 से अधिक चार पहिया वाहनों की पार्किंग क्षमता, कैफेटेरिया, जिम, स्पोर्ट्स जोन, बच्चों का खेल क्षेत्र, इंडोर गेम्स इत्यादि की भी सुविधाएं मिलेंगी। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की कड़ी मॉनिटरिंग में पूर्ण गुणवत्ता के साथ तय समय-सीमा में इसका निर्माण पूर्ण किया जाएगा।

बढ़ता वायु प्रदूषण कमजोर न कर दे आपकी याददाश्त?

राजधानी दिल्ली और एनसीआर में वायु प्रदूषण का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार सुबह दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 'गंभीर श्रेणी' में औसतन 418 दर्ज किया गया। वहीं आनंद विहार में 462, बुराड़ी में 460, और चांदनी चौक इलाके में 454 एक्यूआई दर्ज किया गया है। इससे पहले रविवार सुबह एक्यूआई 437 था।

कड़ाके की ठंड के बीच बढ़ता वायु प्रदूषण सेहत के लिए भी मुश्किलें बढ़ाता जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, लगातार बनी हुई गंभीर वायु गुणवत्ता का मुख्य कारण मौसम का मिजाज है। तापमान में कमी के कारण प्रदूषण के स्तर में भारी वृद्धि हुई है। पश्चिमी विक्षोभ के चलते वायु गुणवत्ता जो नीचे फंसी हुई ठंडी हवा को ऊपर उठने नहीं देती है। इसी ठंडी हवा में गाडियों का धुआं और निर्माण की धूल जैसे प्रदूषक जमा हो जाते हैं। जब बारिश नहीं होती और हवा भी धीरे चलती है, तो यह फंसा हुआ प्रदूषण बाहर नहीं निकल पाता, जिससे स्थिति कई गुना खराब हो जाती है।

हवा की इस तरह की गुणवत्ता को स्वास्थ्य विशेषज्ञ बेहद खतरनाक मान रहे हैं। इससे क्रॉनिक बीमारियों का खतरा तो बढ़ता ही है साथ ही दिल के मरीजों, गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए इस तरह की हवा कई तरह की दिक्कतें बढ़ाने वाली हो सकती है।

नोट:- इस लेख को तैयार करते समय सभी तरह के निर्देशों का पालन किया गया है। संबंधित लेख पाठक की जानकारी व जागरूकता बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। श्रीकंचनपथ लेख में प्रदत्त जानकारी व सूचना को लेकर किसी तरह का दावा नहीं करता है और न ही जिम्मेदारी लेता है। उपरोक्त लेख में उल्लेखित संबंधित बीमारी के बारे में अधिक जानकारी के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

मानसिक स्वास्थ्य और डिप्रेशन का खतरा

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने अलर्ट किया है कि पीएम 2.5 के लंबे समय तक संपर्क में रहने से डिप्रेशन जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का भी जोखिम रहता है। जामा नेटवर्क में प्रकाशित एक हालिया रिपोर्ट में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने अलर्ट किया है कि पीएम 2.5 जैसे प्रदूषक जिनमें सल्फेट, अमोनियम, एलिमेंटल कार्बन और मिट्टी की धूल भी शामिल हैं, इनके लंबे समय तक संपर्क में रहने से डिप्रेशन जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। पूरी रिपोर्ट पढने के लिए यहां क्लिक करें

वायु प्रदूषण का दिमाग पर भी होता है असर

एक समाचार पत्रिका में प्रकाशित रिपोर्ट में बताया था कि प्रदूषित हवा, विशेषकर पीएम 2.5 का बढ़ता स्तर किस तरह से दिल की बीमारियों को बढ़ाने वाला हो सकता है। हालांकि इसके दुष्प्रभाव सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, खराब गुणवत्ता वाली हवा के संपर्क में लंबे समय तक रहने वाले लोगों की दिमागी क्षमता कम होने का खतरा भी बढ़ सकता है।

- कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों का कहना है कि वायु प्रदूषण के लंबे समय तक संपर्क के कारण डिमेंशिया रोग होने का का खतरा बढ़ सकता है।
- डिमेंशिया मस्तिष्क को प्रभावित करने वाली बीमारी है। जिससे सोचने, चीजों को याद रखने, तर्क करने और दैनिक जीवन की गतिविधियों को करने की क्षमता गंभीर रूप से प्रभावित होती है।
- इस रोग में मस्तिष्क की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचने लगती है। जिसके कारण व्यवहार में बदलाव और निर्णय लेने में कठिनाई जैसे दिक्कतें हो सकती हैं।
- इसमें 2.9 करोड़ से ज्यादा लोगों के डेटा का इस्तेमाल किया गया। ये लोग कम से कम एक साल तक हवा में मौजूद प्रदूषकों के संपर्क में रहे थे।
- टीम ने पाया कि लंबे समय तक प्रदूषकों के संपर्क में रहने के कारण लोगों के दिमाग में ऐसे बदलाव देखे गए जो डिमेंशिया के खतरे को बढ़ाने वाले हो सकते हैं।

अध्ययन में क्या पता चला?

अध्ययन में पाया गया कि पीएम 2.5 का संपर्क किसी व्यक्ति में डिमेंशिया के जोखिमों को 17त्न बढ़ा सकता है। गाडियों के धुएं, पावर प्लांट और लकड़ी जलाने या और चिमनियों से होने वाला प्रदूषण हवा को गंभीर रूप से दूषित करता है। जिन शहरों में वायु गुणवत्ता लगातार खराब बनी रहती है, वहां लोगों में अल्जाइमर रोग-डिमेंशिया होने का खतरा अधिक देखा जाता है। वायु प्रदूषण न्यूरोइन्फ्लेमेशन, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, खून की नसों और दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाकर डिमेंशिया का कारण बनता है। पीएम 2.5 जैसे बारीक कण फेफड़ों या नाक के जरिए दिमाग में जा सकते है, जिससे मस्तिष्क की कोशिकाओं में क्षति होने का जोखिम बढ़ जाता है। लंबे समय तक प्रदूषकों के संपर्क में रहने वाले बच्चों में भविष्य में अल्जाइमर रोग होने का जोखिम, अन्य बच्चों की तुलना में अधिक देखा जाता रहा है।

तस्करी में प्रिया बनकर छाई जोया अफरोज

कहा - इस किरदार के लिए किया हजारों किलोमीटर का सफर

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं, जिनका सफर सिर्फ कामयाबी की कहानी नहीं होता, बल्कि धैर्य, सीख और लगातार आगे बढ़ने की मिसाल भी होता है। अभिनेत्री जोया अफरोज उन्हीं में से एक हैं। बतौर बाल कलाकार फिल्मों के सेट पर कदम रखने वाली जोया आज नेटफ्लिक्स की चर्चित सीरीज तस्करी में प्रिया के मजबूत और जटिल किरदार के लिए सराहना बटोर रही हैं। तस्करी को न सिर्फ देश में, बल्कि ग्लोबल लेवल पर भी पहचान मिल रही है और यह जोया के करियर का एक अहम पड़ाव बन चुका है।

जोया अफरोज ने कहा, मैंने अपने करियर की शुरुआत बहुत कम उम्र में की थी। सूरज बड़जात्या की फिल्म हम साथ-साथ हैं के सेट पर काम शुरू किया और इसके बाद रमेश सिप्पी, रोहन सिप्पी जैसे दिग्गज निर्देशकों के साथ भी काम किया। जोया ने बताया कि फिल्म कुछ ना कहो समेत कई प्रोजेक्ट्स में नजर आने के बाद उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट और मॉडल खूब अनुभव हासिल किया। इसके बाद मिस इंडिया बनने और मिस इंटरनेशनल में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला, लेकिन अभिनय हमेशा पहली पसंद रहा।

जोया ने कहा, इतनी छोटी उम्र में काम शुरू करने का फायदा यह रहा कि मुझे इंडस्ट्री को बहुत करीब से समझने का मौका मिला। बड़े निर्देशकों और कलाकारों के साथ काम करके मैंने अभिनय की बारीकियां सीखीं। सफर भले ही लंबा रहा हो, लेकिन बेहद संतोषजनक रहा है। आज तस्करी जैसी ओटीटी सीरीज का हिस्सा बनना और उसका नंबर वन होना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है।

तस्करी में जोया ने प्रिया का किरदार निभाया है, जो एक एयर होस्टेस है और कस्टम अधिकारियों और तस्करों की दुनिया के बीच फंसी हुई है। यह किरदार चुनौतीपूर्ण है। जोया ने कहा, यह रोल मुझे इसलिए खास लगा, क्योंकि निर्देशक नीरज पांडे महिला किरदारों को बेहद मजबूती और गहराई के साथ लिखते हैं। प्रिया कोई साधारण महिला पात्र नहीं है, बल्कि कहानी को आगे बढ़ाने वाली अहम कड़ी है।

इस प्रोजेक्ट के साथ जुड़ने का अनुभव साझा करते हुए जोया ने कहा, जब मुझे तस्करी का ऑफर मिला, तब मैं असम में अपने ननिहाल में थी। अचानक कॉल आया। मैंने बिना किसी गारंटी के तुरंत बैग पैक किया और हजारों किलोमीटर का सफर तय कर ऑडिशन के लिए पहुंचीं। उसी दिन मेरा लुक टेस्ट हुआ और मुझे फाइनल कर लिया गया। अगले ही दिन वर्कशॉप और फिर शूटिंग शुरू हो गई। नीरज पांडे जैसे नेशनल अवॉर्ड विजेता निर्देशक का ऐसा भरोसा मेरे लिए बेहद प्रेरणादायक अनुभव रहा।

उनके लिए सीरीज का सबसे चुनौतीपूर्ण सीन इमरान हाशमी के साथ इंटेरोगेशन का था, जो उनका पहला शूटिंग सीन भी था। उन्होंने कहा, पहली ही सुबह, पहला शॉट और इतना इमोशनल सीन था कि मैं काफी नर्वस हो गई थी, लेकिन आज वही सीन दर्शकों को सबसे ज्यादा पसंद आ रहा है।

इमरान हाशमी के साथ काम करने के अनुभव पर जोया ने कहा, वह बेहद सहज, समझदार और जमीन से जुड़े अभिनेता हैं। सेट पर उनकी मौजूदगी सीन को और बेहतर बना देती है। नीरज पांडे और इमरान हाशमी की जोड़ी बेहद रियल है। दोनों ही कहानी और किरदारों में सच्चाई लाते हैं।

अपने करियर को लेकर जोया ने कहा, मैं खुद को कभी अलग-अलग रास्तों में नहीं बांधती। मेरे लिए अभिनय, मिस इंडिया और फिर अभिनय में वापसी, सब एक ही सफर का हिस्सा है। तस्करी मेरे करियर की बड़ी उपलब्धि है और आगे भी मैं ऐसे ही दमदार किरदार निभाना चाहती हूं।

दो दीवाने सहर में का टीजर हुआ रिलीज, एक-दूजे के इश्क में डूबे नजर आए सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर

जी स्टूडियोज और भंसाली प्रोडक्शंस की आने वाली फिल्म दो दीवाने सहर में का शानदार टीजर रिलीज हो चुका है, जिसे देख आपको पुरानी फिल्मों की लव स्टोरी याद आ जाएगी। इस अनोखे रोमांटिक ड्रामा का टीजर आखिरकार रिलीज हो गया है और यह एक ऐसी प्रेम कहानी है जो कई रोमांटिक और इमोशनल पलों से भरपूर है, जहां पहले लुक ने हमें दो अधूरे लोगों के बीच की एक परफेक्ट लव स्टोरी दिखाई है तो वहीं टीजर एक ऐसे मॉडर्न रोमांस की भी झलक पेश की, जो बहुत ही खूबसूरत है। डायरेक्टर रवि उदयावर इस वैलेंटाइन्स डे पर दो दीवाने सहर में लेकर आ रहे हैं। सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर अपनी आने वाली इम्परफेक्टली परफेक्ट लव स्टोरी से दर्शकों को दीवाना बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। दो दीवाने सहर में के टीजर की शुरुआत एक सीधे-सादे, शर्मीले लड़के शशांक से होती है, जो रोशनी के घर पर उनके माता-पिता के साथ बैठा है। ऐसा लगता है कि वह अरेंज मैरिज के जरिए अपनी होने वाली दुल्हन से मिलने आया है, लेकिन रोशनी अपने होने वाले पति और घर के इस फॉर्मल माहौल को देखकर खुश हो जाती है।

रवि उद्यावर द्वारा डायरेक्टेड यह आने वाली फिल्म जी स्टूडियोज, रेनकॉर्प मीडिया और भंसाली प्रोडक्शंस द्वारा बनाई जा रही है। फिल्म में सिद्धांत और मृणाल लीड रोल में हैं। उनके साथ इला अरुण, जॉय सेनगुप्ता, आयशा रजा, संदीप धर, नवीन कौशिक और कई अन्य कलाकार भी हैं। बता दें कि दो दीवाने शहर में 20 फरवरी, 2026 को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है।

स्प्लिट्सविला के सेट पर बड़े हुए मेरे तीनों बच्चे : सनी लियोनी

सिनेमा जगत में कई सितारे अपने बच्चों को काम के करीब रखते हैं ताकि वे अपने माता-पिता की दुनिया को समझ सकें और जीवन के अनुभवों को जल्दी सीख सकें। सनी लियोनी भी यही तरीका आजमाती हैं। उन्होंने खुलासा किया कि उनके तीनों बच्चे स्प्लिट्सविला के सेट पर बड़े हुए हैं और उनके लिए यह अनुभव काफी सीखने वाला रहा है।

सनी लियोनी ने कहा, मेरे बच्चे शुरू से ही स्प्लिट्सविला के सेट पर आते रहे हैं। बच्चों ने इस शो के सेट पर लगभग सात साल बिताए हैं। उन्होंने शो के काम और शूटिंग की प्रक्रिया को नजदीक से देखा है। पूरी टीम मेरे बच्चों को जानती है। सनी ने कहा, मेरे बच्चों के लिए यह अनुभव बहुत खास रहा है। मेरे पास कई तस्वीरें हैं, जिनमें बच्चे सेट पर स्विमिंग पूल में खेल रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि बच्चों के शो देखने में कोई गलत बात है। बच्चों ने छोटी-छोटी बातें नोट की, जैसे किसी ने नियम क्यों तोड़े, या किसी ने धोखा क्यों दिया। वे समझ गए हैं कि गेम में लोग जीतने के लिए ऐसा करते हैं।

सनी ने आगे कहा, पहले बच्चों को शो की चीजें समझ में नहीं आती थीं, फिर मैं उन्हें सरल शब्दों में समझाती थी। बच्चों ने धीरे-धीरे सीखना शुरू किया और अब वे शो के चैलेंज को देखकर मजा लेते हैं और टास्क को समझने की कोशिश करते हैं। वे पूरा शो नहीं देखते, बल्कि केवल कुछ चुनिंदा हिस्से ही देख पाते हैं। देर रात होने वाली शूटिंग में वे सोने चले जाते हैं।

सनी लियोनी और डेनियल वेबर ने 2011 में शादी की थी। कपल के तीन बच्चे हैं: बेटी निशा कौर वेबर, जिसे 2017 में गोद लिया गया था, और जुड़वां बेटे नूह और अशर, जो 2018 में सरोगेसी के जरिए पैदा हुए थे।

खास खबर

हरियाणा में छत्तीसगढ़ का परचम, बीजापुर के खिलाड़ियों की ऐतिहासिक उपलब्धि

बीजापुर। हरियाणा में आयोजित सब जूनियर नेशनल सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ प्रदेश की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में छत्तीसगढ़ को स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) तथा बालक वर्ग में कांस्य पदक (ब्रॉन्ज मेडल) प्राप्त हुआ। इस गौरवशाली उपलब्धि में बीजापुर जिले के खिलाड़ियों का विशेष योगदान रहा। बालिका वर्ग में बीजापुर जिले से अनुराधा, रितिका, अस्मिता, शिल्पी एवं त्रिवेणी ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया, वहीं बालक वर्ग में लक्ष्य, सूर्य एवं एबिल ने टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त, जनवरी माह के अंतिम सप्ताह में आयोजित होने वाली स्वस्थ्य स्कूल नेशनल गेम्स के लिए भी बीजापुर जिले से 18 खिलाड़ियों का चयन किया गया है, जो जिले के खेल इतिहास में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। इन सभी चयनित एवं पदक विजेता खिलाड़ियों ने आज जिले के कलेक्टर संबित मिश्रा एवं खेल प्रभारी नारायण प्रसाद गवेल से सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर सॉफ्टबॉल के अंतरराष्ट्रीय कोच एवं जिले के श्रम निरीक्षक सोपान करनेवार भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी और आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। बीजापुर जिले के खिलाड़ियों की यह सफलता न केवल जिले बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

महिलाओं ने मत्स्य पालन से बदली अपनी तक़दीर : मत्स्य पालन कर कमाए लगभग 03 लाख रुपये

मुंगेली। विकासखण्ड मुंगेली के नगर पंचायत जरहागॉव की रामजानकी मछुआ सहकारी समिति मर्यादित आज महिला नेतृत्व, सामूहिक प्रयास और स्वरोजगार आधारित आजीविका का सशक्त उदाहरण बन चुकी है। समिति की अध्यक्ष श्रीमती मीनाबाई धुरी के नेतृत्व में जरहागॉव की 25 महिला सदस्यों ने मत्स्य पालन के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल कर सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण की नई राह प्रशस्त की है। समिति द्वारा नगर पंचायत जरहागॉव स्थित शासकीय अमहा तालाब को 10 वर्षों की अवधि के लिए पट्टे पर लिया गया है। इसके पश्चात समिति ने वैज्ञानिक पद्धति से मत्स्य पालन कार्य प्रारंभ किया। निरंतर परिश्रम, अनुशासन और सामूहिक सहभागिता के परिणामस्वरूप समिति का उत्पादन एवं आय निरंतर बढ़ रही है। समिति द्वारा एक साल में लगभग 3.3 क्विंटल मत्स्य उत्पादन किया गया, जिससे लगभग 3.00 लाख रुपये की आय प्राप्त हुई। यह उपलब्धि ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वरोजगार की संभावनाओं को सशक्त रूप से दर्शाती है।

गणतंत्र के अमृतकाल में साहित्य उत्सव का आयोजन हमारी समृद्ध सांस्कृतिक चेतना का प्रतीकः मुख्यमंत्री साय

रायपुर साहित्य उत्सव 2026 का हुआ भव्य शुभारंभः देशभर के 120 साहित्यकार, 42 सत्रों में करेंगे विचार-विमर्श

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के नवा रायपुर स्थित पुरखौती मुक्तांगन परिसर में रायपुर साहित्य उत्सव 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश के मुख्य आतिथ्य और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समारोह का आयोजन विनोद कुमार शुक्ल मंडप में किया गया, जिसमें उपमुख्यमंत्री अरुण साव, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा की कुलपति डॉ. कुमुद शर्मा तथा सुप्रसिद्ध रंगकर्मी एवं अभिनेता मनोज जोशी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा, वरिष्ठ पत्रकार अनंत विजय तथा छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। उद्घाटन अवसर पर अतिथियों के करकमलों से छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आधारित पुस्तिका, एक कॉफी टेबल बुक छत्तीसगढ़ राज्य के साहित्यकार, जे. नंदकुमार द्वारा लिखित पुस्तक नेशनल सेल्फ्हुड इन साइंस, प्रो. अंशु जोशी की पुस्तक लाल दीवारें, सफेद झूठ तथा राजीव रंजन प्रसाद की पुस्तक तेरा राज नहीं आएगा रे का विमोचन किया गया।

उप सभापति हरिवंश ने अपने संबोधन की शुरुआत छत्तीसगढ़ के महान साहित्यकार स्वर्गीय विनोद कुमार शुक्ल को नमन करते हुए की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ी साहित्य की एक समृद्ध और प्राचीन परंपरा रही है तथा इस प्रदेश ने अपनी स्थानीय संस्कृति को सदैव मजबूती से संजोकर रखा है। रायपुर साहित्य उत्सव के आयोजन में अत्यंत रचनात्मक दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। उन्होंने कबीर के काशी से गहरे संबंधों का उल्लेख करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ के कवर्धा से भी उनका विशेष जुड़ाव रहा है। उप सभापति श्री हरिवंश ने कहा कि एक पुस्तक और एक लेखक भी दुनिया को बदलने की शक्ति रखते हैं। उन्होंने राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की पंक्तियों का उल्लेख करते हुए कहा कि साहित्य समाज को दिशा देता है, आशा जगाता है, निराशा से उबारता है और जीवन जीने का साहस प्रदान करता है।

उपसभापति हरिवंश ने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और 2047 तक विकसित भारत का संकल्प हमारा राष्ट्रीय लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि भारत आज स्टील, चावल उत्पादन और स्टार्टअप्स के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। देश की आत्मनिर्भरता से दुनिया को नई दिशा मिली है और इस राष्ट्रीय शक्ति के पीछे साहित्य की सशक्त भूमिका रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ प्रभु श्रीराम का ननिहाल है और इस पावन भूमि पर तीन दिवसीय रायपुर साहित्य उत्सव का शुभारंभ होना हम सभी के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने देशभर से आए साहित्यकारों और साहित्य प्रेमियों का स्वागत करते हुए कहा कि रायपुर साहित्य उत्सव 2026 साहित्य का एक महाकुंभ है, जिसमें प्रदेश और देश के विभिन्न राज्यों से आए 120 से अधिक ख्यातिप्राप्त साहित्यकार सहभागिता कर रहे हैं। आयोजन के दौरान कुल 42 सत्रों में समकालीन सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक विषयों पर गहन विमर्श होगा। यह समय गणतंत्र के अमृतकाल और छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती वर्ष का है, इसी भाव के अनुरूप इस उत्सव का आयोजन किया गया है।

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम की तुलना समुद्र मंथन से करते हुए कहा कि जिस प्रकार समुद्र मंथन में विष और अमृत दोनों निकले, उसी प्रकार स्वतंत्रता आंदोलन में हमारे सेनानियों ने विष रूपी कष्ट स्वयं सहकर आने वाली पीढ़ियों को आज़ादी का अमृत प्रदान किया। उन्होंने कहा कि हमारे अनेक स्वतंत्रता सेनानी लेखक, पत्रकार और वकील भी थे। माखनलाल चतुर्वेदी द्वारा बिलासपुर जेल में रचित पुष्प की अभिलाषा जैसी रचनाओं ने देशवासियों को प्रेरित किया। माधवराव सप्रे की कहानी एक टोकरी भर मिट्टी को हिंदी की पहली कहानी माना जाता है।

मुख्यमंत्री ने पंडित लोचन प्रसाद पांडेय, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी और गजानन माधव मुक्तिबोध जैसे साहित्यकारों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी स्मृतियों को सहेजना हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी है। राजनांदगांव में त्रिवेणी संग्रहालय का निर्माण इसी भावना का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रायपुर साहित्य उत्सव के मंडपों को विनोद कुमार शुक्ल, श्यामलाल चतुर्वेदी, लाला जगदलपुरी और अनिरुद्ध नीरव जैसे महान साहित्यकारों को समर्पित किया गया है, जिन्होंने छत्तीसगढ़ की संस्कृति और साहित्य को नई पहचान दी। उन्होंने कहा कि कविता अन्याय के विरुद्ध प्रतिरोध करना सिखाती है और यही साहित्य की वास्तविक शक्ति है।

मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में आयोजित काव्यपाठ कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि अटल जी कवि हृदय थे और उनकी कविताओं ने करोड़ों लोगों को प्रेरणा दी। हार नहीं मानूंगा जैसी पंक्तियाँ आज भी जनमानस को संबल देती हैं।

मुख्यमंत्री ने इमरजेंसी काल के दौरान साहित्यकारों की भूमिका को रेखांकित करते हुए दुष्यंत कुमार की प्रसिद्ध पंक्तियों का उल्लेख किया और कहा कि आज जब बड़ी संख्या में युवा साहित्यप्रेमी इस उत्सव में शामिल हो रहे हैं, तब यह स्पष्ट होता है कि प्रदेश में साहित्य का वातावरण उजला और सशक्त है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह तीन दिवसीय आयोजन एक मील का पत्थर सिद्ध होगा। इस अवसर पर उन्होंने स्वर्गीय सुरेंद्र दुबे को भी नमन किया।

भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मे श्रमिकों के लिए कैंटीन शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना में कार्यरत श्रमिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आज बसंत पंचमी के पावन अवसर पर शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना के अंतर्गत जिले की पहली श्रमिक कैंटीन का शुभारंभ किया गया। इस कैंटीन के प्रारंभ होने से कारखाना में कार्यरत श्रमिकों को अब सस्ती दर पर पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध हो सकेगा।

उपमुख्यमंत्री व कवर्धा विधायक विजय शर्मा, सहकारिता मंत्री केदार कश्यप के विशेष प्रयासों से तथा जिले के प्रभारी मंत्री लखन लाल देवांगन के सहयोग से भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना के श्रमिकों को कैंटीन सुविधा की सौगात मिली है। कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में श्रम विभाग एवं कारखाना प्रबंधन के समन्वय से इस योजना को धरातल पर उतारा गया, जिससे जिले को पहली बार श्रमिकों के लिए संचालित अन्न योजना कैंटीन की सुविधा प्राप्त हुई है। भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना के एमडी जीएस शर्मा ने बताया कि केन्टीन का संचालन दुर्ग की कम्पनी मेसर्स आर.के. एसोसियेट्स के द्वारा किया जा रहा है। इस कैंटीन के माध्यम से श्रमिकों को मात्र 5 रूपये में उच्च गुणवत्ता एवं पौष्टिक भोजन उपलबध कराया जाएगा। कैंटीन सप्ताह में 6 दिन, प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक संचालित होगी। सप्ताह के सभी छह दिनों के लिए अलग-अलग मेनू निर्धारित किया गया है, जिसमें चालव, दाल, अचार, सलाद, सूखी सब्जी, रसेदार सब्जी तथा गर्मी के मौसम में छाछ जैसी पौष्टिक वस्तुएं शामिल हैं।

उन्होनें बताया कि शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना श्रम विभाग की एक अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके अंतर्गत श्रमिकों से प्रति थाली केवल 5 रूपये लिए जाते हैं, जबकि शेष राशि शासन द्वारा सब्सिडी के रूप में वहन की जाती है। इस पहल से श्रमिकों को सस्ता एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध होने के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य और कार्यक्षमता में भी सकारात्मक सुधार होगा।

चारदीवारी से नेतृत्व तक-गृहिणी से 'लखपति दीदी' बनी सीमा बंजारे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जांजगीर चाम्पा जिले के जनपद पंचायत पामगढ़ की ग्राम पंचायत कुटराबोड निवासी सीमा बंजारे की कहानी उन ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा है, जो आज भी स्वयं को घर की चारदीवारी तक सीमित मानती हैं। एक समय था जब सीमा बंजारे का जीवन केवल घर-परिवार और बच्चों की देखभाल तक ही सिमटा हुआ था।

आर्थिक निर्भरता और आत्मविश्वास की कमी उनके जीवन की सबसे बड़ी चुनौती थी। लेकिन यह स्थिति तब बदली, जब बिहान योजना की सीआरपी टीम के संपर्क में आने से उन्हें स्व सहायता समूहों की जानकारी मिली। इस संपर्क ने उनके मन में आत्मनिर्भर बनने का सपना जगाया। परिवार की सहमति से उन्होंने जय भीम स्व-सहायता समूह से जुड़कर अपने नए जीवन की शुरुआत की। समूह से जुड़ने के बाद श्रीमती सीमा बंजारे ने मेहनत और सक्रिय भागीदारी से जल्द ही अपनी पहचान बना ली। उनकी कार्यकुशलता को देखते हुए उन्हें पहले स्व सहायता समूह का अध्यक्ष चुना गया। लेखापाल बनीं और वर्तमान में वे पशु सखी के रूप में कार्य करते हुए गांव में एक जिम्मेदार और सशक्त नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी भूमिका निभा रही हैं। आजीविका सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सीमा बंजारे ने दोना-पत्तल निर्माण एवं सब्जी उत्पादन जैसी गतिविधियों को अपनाया। इन कार्यों से उन्हें लगभग 1 लाख 20 हजार रूपए की वार्षिक आय प्राप्त होने लगी। यह आय केवल आर्थिक मजबूती नहीं लाई, बल्कि उन्हें आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और समाज में एक नई पहचान भी दिलाई। आज श्रीमती सीमा बंजारे न केवल अपने मोहल्ले बल्कि पूरे गांव में एक सफल 'लखपति दीदी' के रूप में जानी जाती हैं। वे अन्य महिलाओं को स्व-सहायता समूह से जुड़ने, स्वरोजगार अपनाने और आत्मनिर्भर बनने के लिए निरंतर प्रेरित कर रही हैं।

श्रीमती सीमा बंजारे का कहना है कि समूह से जुड़ने के बाद जीवन में खुशियाँ आईं। सही मार्गदर्शन, समूह की एकजुटता और आत्मविश्वास से हर महिला अपने जीवन की तस्वीर बदल सकती है। आज श्रीमती सीमा बंजारे आत्मनिर्भरता, नेतृत्व क्षमता और महिला सशक्तिकरण की सशक्त प्रतीक बन चुकी हैं। उनकी सफलता यह सिद्ध करती है कि यदि अवसर, मार्गदर्शन और विश्वास मिले, तो ग्रामीण महिलाएं भी अपने सपनों को साकार कर समाज में बदलाव की अग्रदूत बन सकती हैं।

विकसित भारत जी राम जी योजना ग्रामीणों के आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम - निहारिका बारीक

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव निहारिका बारीक ने राज्यपाल के गोद ग्राम बिजली का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव निहारिका बारीक ने गरियाबंद जिले में स्थित राज्यपाल रामेन डेका जी के गोद ग्राम बिजली का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्राम में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं, आजीविका गतिविधियों एवं मूलभूत सुविधाओं की प्रगति का गहन अवलोकन किया। इस अवसर पर कलेक्टर बी.एस. उईके, प्रधानमंत्री आवास मिशन के डायरेक्टर तारण प्रकाश सिन्हा, एसबीएम एवं एनआरएलएम डायरेक्टर अश्वनी देवांगन, संयुक्त सचिव एस. आलोक, जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रमुख सचिव सुश्री बारीक ने ग्राम पंचायत बिजली (मड़वाडीह) में ग्रामीणों एवं महिला स्व-सहायता समूहों से संवाद करते हुए समूहों द्वारा संचालित आजीविका गतिविधियों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने विकसित भारत जी राम जी योजना की जानकारी साझा करते हुए बताया कि पूर्व में यह योजना 100 दिनों की कार्य अवधि तक सीमित थी, जिसे बढ़ाकर अब 125 दिन कर दिया गया है। इससे ग्रामीणों की आजीविका को वैधानिक संरक्षण मिलने के साथ-साथ उनके जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मजदूरी भुगतान साप्ताहिक आधार पर अथवा किसी भी स्थिति में कार्य समाप्ति के 15 दिवस के भीतर किया जाना अनिवार्य है। स्व-सहायता समूह की महिलाओं से चर्चा के दौरान प्रमुख सचिव ने ग्राम मड़वाडीह की श्रीमती मिथलेश्वरी ध्रुव से संवाद किया। उन्होंने बताया कि डेढ़ लाख रुपये का ऋण लेकर 1200 फीट की सेंट्रिंग प्लेट खरीदी गई है, जिसके माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत एक साथ लगभग चार आवासों में निर्माण कार्य किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि मात्र चार माह में लगभग 30 लाख रुपये की आय अर्जित की गई है, जो कुल व्यय का लगभग एक-चौथाई है। प्रमुख सचिव ने जिले में लखपति दीदियों की संख्या में हो रही निरंतर वृद्धि को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सशक्तिकरण का सकारात्मक संकेत बताया।

निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव ने जल जीवन मिशन अंतर्गत घर-घर जल आपूर्ति की स्थिति की भी जानकारी ली। इसके साथ ही जय फणीश्वर एग्रो महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा त्रिवेणी ब्रांड नाम से हल्दी एवं मिर्च की पैकिंग एवं विपणन गतिविधियों का अवलोकन किया। समूह द्वारा अब तक 50 किलोग्राम से अधिक उत्पाद का विक्रय कर आय अर्जित की जा चुकी है। उन्होंने सुझाव दिया कि धान के स्थान पर मिर्च एवं हल्दी जैसी नकदी फसलों की खेती कर कच्चे माल का स्वयं उत्पादन कर अधिक लाभ अर्जित किया जा सकता है। महिला समूहों द्वारा दोना-पत्तल निर्माण मशीन, मशरूम उत्पादन हेतु शेड निर्माण तथा मूंगफली दाना पृथक्करण मशीन की मांग रखी गई, जिस पर प्रमुख सचिव ने कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ को संबंधित योजनाओं के अंतर्गत आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

प्रमुख सचिव सुश्री बारीक ने आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया, जहां उन्होंने गर्म भोजन व्यवस्था, रसोई की स्वच्छता, बच्चों की उपस्थिति तथा कुपोषण की स्थिति की जानकारी ली। इसके साथ ही ग्राम में पूर्ण आवास निर्माण की प्रगति का अवलोकन करते हुए हितग्राही रामेश्वर पटेल के आवास का निरीक्षण किया। ग्राम में कचरा प्रबंधन व्यवस्था के अंतर्गत नियमित सफाई, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण एवं सफाई कर्मियों के मजदूरी भुगतान की स्थिति की भी समीक्षा की गई। साथ ही ग्राम पंचायत में संचालित डिजिटल सुविधा केंद्र के माध्यम से हो रहे दैनिक लेन-देन एवं ग्रामीण स्तर पर डिजिटल सेवाओं के विस्तार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इसके पश्चात प्रमुख सचिव ने ग्राम श्यामनगर में संचालित आजीविका केंद्र का निरीक्षण किया, जहां उगता सूरज, जय ठाकुर देव एवं जय महामाया स्व-सहायता समूह द्वारा सिलयारी पत्तों की सिलाई कर पारंपरिक दोना-पत्तल निर्माण कर आय अर्जित की जा रही है। इस कार्य की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि आज महिलाएं परिवार की आर्थिक रीढ़ बन चुकी हैं और किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं हैं।

लेमनग्रास की खेती से बदल रही छोटे किसानों की किस्मत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लेमनग्रास की खेती छोटे किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है, क्योंकि इसमें लागत कम, मुनाफा ज़्यादा है और यह बंजर ज़मीन पर भी होती है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो रही है और वे आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। यह फसल कीटों और जंगली जानवरों से सुरक्षित रहती है, एक बार लगाने पर कई सालों तक पैदावार देती है। इससे निकलने वाले तेल की बाज़ार में अच्छी कीमत मिलती है, जिसका उपयोग साबुन, परफ्यूम, और हर्बल उत्पादों में होता है, जिससे किसानों की किस्मत बदल रही है।

छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड गौरेला- पेण्ड्रा-मरवाही जिला अधिकतर वनों से घिरा हुआ क्षेत्र है, जहाँ अधिकांश किसानों के पास कम खेती योग्य भूमि है। कई किसानों के पास तो एक एकड़ जमीन भी नहीं है। ऐसे किसान परिवार अपनी आजीविका के लिए दूसरों के खेतों में मजदूरी या बड़े शहरों में पलायन करने को मजबूर थे। उल्लेखनीय है कि किसानों की इस स्थिति को देखते हुए वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम के मार्गदर्शन में बोर्ड के द्वारा औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी के अंतर्गत लेमनग्रास की खेती को जिले में किसानों की आय बढ़ाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से शुरू किया गया है। गांव बहरीङ्कजोरकी के किसान अगहन सिंह के पास केवल 35 डिसमिल (लगभग 1/3 एकड़) भूमि थी। कम जमीन होने के कारण उनकी आय सीमित थी। बोर्ड से प्रेरणा लेकर उन्होंने लेमनग्रास की खेती शुरू करने का फैसला किया। बोर्ड द्वारा उन्हें लेमनग्रास की स्लिप्स निःशुल्क प्रदान की गईं। लेमनग्रास की फसल केवल 4 महीने में तैयार हो जाती है।

किसान 230 एकड़ में कर रहे हैं लेमनग्रास की खेती

बोर्ड द्वारा क्लस्टर मॉडल के माध्यम से किसानों को समूह में जोड़ा गया। लेमनग्रास की बुवाई से पहले ही किसानों का तेल क्रय करने वाले उद्योगों के साथ अनुबंध कराया गया। इन उद्योगों द्वारा बोरवेल, खेत की जुताई, पौधारोपण, फेंसिंग तथा अन्य आवश्यक कार्यों के लिए अग्रिम वित्तीय सहायता दी गई। किसान फसल बेचने के बाद इस राशि को चरणबद्ध तरीके से वापस करते हैं साथ ही, बोर्ड द्वारा लेमनग्रास की स्लिप्स निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं और तेल निकालने के लिए आसवन संयंत्र (डिस्टिलेशन यूनिट) भी स्थापित किए गए। भविष्य में हर 50 किसानों पर एक संयंत्र स्थापित करने की योजना है। आज गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के 4 क्लस्टरों खरड़ी, पंडरी, अमारू और हरड़ी के 123 किसान लगभग 230 एकड़ में लेमनग्रास की खेती कर रहे हैं।

खास खबर

हाइवा की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

रायपुर। चंदखुरी फार्म शंकर पेट्रोल पंप के पास एक तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। मामले में मंदिरहसौद पुलिस ने हाइवा चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम टेकारी निवासी मृतक अनिकेत पटेल 22 वर्ष अपनी बाइक से कहीं जा रहा था, तभी चंदखुरी फार्म स्थित शंकर पेट्रोल पंप के पास हाइवा क्रमांक सीजी 04 क्यूक्यू 5540 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दिया। जिससे अनिकेत पटेल की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर हाइवा चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

पुलिस ने 32 पाव देशी मसाला शराब किया जब्त

बलौदाबाजार। जिले की भाटापारा ग्रामीण पुलिस ने अवैध शराब विक्रय के मामले में कार्यवाही करते हुए समाधान सेल से मिली सूचना के आधार पर एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से 32200 कीमत मूल्य का 32 पाव देशी मसाला शराब जब्त किया गया है। पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के निर्देशन में आमजनों की शिकायत एवं समस्याओं का त्वरित निराकरण करने हेतु जिले में महत्वाकांक्षी योजना समाधान सेल प्रारंभ किया गया है, जिसकी सहायता से किसी भी प्रकार की सूचना, शिकायत अथवा आपराधिक गतिविधि की जानकारी समाधान सेल हेल्पलाइन नंबर 94792 20392 में व्हाट्सएप अथवा कॉल के जरिए प्रदान की जा सकती है। समाधान सेल के माध्यम से आपराधिक कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों की धरपकड़ में भी लगातार कामयाबी मिल रही है। इसी तारतम्य में 23.जनवरी.2026 को समाधान सेल में प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस थाना भाटापारा शहर की पुलिस टीम द्वारा भाटापारा शहर में माल धक्का के सामने, सिद्ध बाबा रोड में घेराबंदी कर अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले हुए एक आरोपी चंद्रकांत केंवट उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम दावनबोड थाना भाटापारा ग्रामीण को गिरफ्तार किया गया है तथा आरोपी शराब कोचिया से 3200 कीमत मूल्य का 32 पाव देशी मसाला शराब जप्त किया गया है।

झाड़ - फूंक व पूजा-पाठ के नाम पर लाखों की ठगी, यूपी का ठग जोड़ा भिलाई में गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छावनी थाना क्षेत्र में एक व्यवसायी को झाड़फूंक के नाम पर ठगने वाले ठग पुरुष व महिला को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों ने व्यवसायी की मां की तबीयत ठीक करने के लिए तंत्र-मंत्र करने की बात कही। व्यवसायी को झांसे में लेकर 6 तोला सोने की चूड़ियां और 8 लाख रुपए नगदी लेकर फरार हो गए। मामले की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने 8 लाख रुपए नगद, मोबाइल फोन एवं कीपैड फोन जब्त किया है।

दरअसल इस मामले में संजय अठवानी निवासी सिंधी कॉलोनी स्टेशन रोड दुर्ग द्वारा थाना छावनी में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। संजय अठवानी ने पुलिस को बताया कि कुछ दिनों पूर्व दो अज्ञात व्यक्ति उसकी दुकान पर साइकिल देखने के बहाने आए थे, जिन्होंने उसका मोबाइल नंबर लिया तथा स्वयं का नाम राजू बताया। कुछ दिनों बाद उक्त व्यक्ति द्वारा प्रार्थी से लगातार फोन पर संपर्क कर उसकी मां की तबीयत खराब रहने की जानकारी लेकर झाड़-फूंक एवं पूजा-पाठ से इलाज कराने का झांसा दिया गया।

इसके बाद 16 जनवरी 2026 को दोनों ने संजय को पावर हाउस फल मार्केट के पास बुलाकर एक महिला के साथ मिलकर देवी पूजा के नाम पर नारियल एवं 1100 रुपए लिए गए। मां के पूर्णत: स्वस्थ होने का विश्वास दिलाया गया। इसके पश्चात दोनों ने प्रार्थी को अपनी मां के सोने के आभूषण एवं नगद राशि मंदिर में रखने कहा गया। 20 जनवरी 2026 को भिलाई पावर हाउस के पास बुलाकर चार नग सोने के कंगन कुल वजन लगभग 60 ग्राम एवं नगद 8 लाख रुपए लिए और फरार हो गए ।

इसके बाद प्रार्थी ने दोनों ने संपर्क करना चाहा लेकिन उनसे संपर्क नहीं हुआ। मामले की शिकायत के बाद छावनी पुलिस ने धारा 318(4), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम गठित कर सूचना तंत्र सुदृढ़ किया गया। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य एवं अन्य माध्यमों से आरोपियों की पतासाजी की। जल्द ही पुलिस को सफलता मिली। पुलिस ने इस मामले में बाबूलाल निवासी थाना श्रीरामपुर, जिला चित्रकूट (उ.प्र.) तथा गीता राय निवासी जिला हाथरस (उ.प्र.) को गिरफ्तार किया गया।

दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि झाड़-फूंक, तंत्र-मंत्र एवं अंधविश्वास के नाम पर किसी भी प्रकार के झांसे में न आएं तथा इस प्रकार की किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

नक्सली प्रेशर आईईडी का कहर, जंगल में लकड़ी लेने गए ग्रामीण का पैर उड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों द्वारा जंगलों में बिछाए गए प्रेशर आईईडी ने एक बार फिर निर्दोष ग्रामीण को अपनी चपेट में ले लिया। उसूर ब्लॉक के इल्मीडी थाना क्षेत्र अंतर्गत लंकापल्ली के जंगलों में गुरुवार दोपहर हुए विस्फोट में एक ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया।

मिली जानकारी के अनुसार, राजू मोडियाम (पिता मुन्नी मोडियाम), उम्र लगभग 30 वर्ष, जंगल से लकड़ी लेने गया था। इसी दौरान उसका पैर जमीन में छिपाकर लगाए गए प्रेशर आईईडी पर पड़ गया। जोरदार धमाके में राजू के दाहिने पैर में गंभीर चोट आई।

घटना के तुरंत बाद साथ मौजूद ग्रामीणों ने घायल को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां फिलहाल उसका इलाज जारी है।

सूचना मिलते ही सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे और आसपास के इलाके में सघन सर्चिंग अभियान शुरू कर दिया गया है। नक्सलियों द्वारा सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के लिए लगाए गए विस्फोटकों की चपेट में आम ग्रामीणों के आने से क्षेत्र में भय और दहशत का माहौल बना हुआ है।

धमतरी में 9 नक्सलियों ने किया सरेंडर

रायपुर रेंज के आईजी के समक्ष छोड़े हथियार

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। रायपुर संभाग के धमतरी जिले में शुक्रवार को 9 नक्सलियों ने सरेंडर कर दिया। रायपुर रेंज के आईजी अमरेश मिश्रा की उपस्थिति में इन नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्य धारा से जुड़ने का निर्णय लिया। इस आत्मसमर्पण के साथ ही रायपुर रेंज को नक्सलमुक्त घोषित कर दिया गया है।

आत्मसमर्पण करने वाले इन 9 नक्सलियों पर कुल 47 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इनमें दो महिला नक्सली 8-8 लाख रुपए की इनामी और एक पुरुष नक्सली 5 लाख रुपए का इनामी था।

आत्मसमर्पण करने वालों में धमतरी-नुआपड़ा क्षेत्र के 5 नक्सली और आंध्र प्रदेश से जुड़े 4 नक्सली शामिल हैं। आत्मसमर्पित नक्सलियों में डिविजनल कमेटी मेंबर सहित कई बड़े कैडर के सदस्य शामिल हैं, जिसे सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

आत्मसमर्पण करने वालों में ज्योति उर्फ जैनी, उषा उर्फ बलमा, रामदास उर्फ आयता, रोनी उर्फ उमा, निरंजन उर्फ पोदिया, सिंधु उर्फ सोमडी, रीना उर्फ चिरो, अमाली उर्फ सन्नी और लक्ष्मी पुनेम उर्फ आरती शामिल हैं।

आईजी ने किया स्वागत

आईजी अमरेश मिश्रा ने स्वागत किया। उन्होंने सभी नक्सलियों को बधाई देते हुए कहा कि राज्य सरकार की पुनर्वास नीति नक्सलियों को नया जीवन शुरू करने का अवसर प्रदान कर रही है, जिसके चलते लगातार नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं।

भौगोलिक दृष्टि से, इस आत्मसमर्पण के साथ ही रायपुर संभाग को नक्सल मुक्त घोषित किया गया है। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को नियमानुसार पुनर्वास, सुरक्षा और रोजगार से जोड़ने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, ताकि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें।

भटगांव पुलिस की सटोरियों पर कार्रवाई, एक आरोपी गिरफ्तार

भटगांव। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में अवैध सट्टा गतिविधियों के खिलाफ भटगांव पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए एक सटोरिए को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन और 2,000 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निमिषा पांडे और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस विजय ठाकुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भटगांव शिवकुमार धारी के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। आरोपी अभिषेक मिरी पिता परसराम मिरी, उम्र 27 वर्ष, निवासी ग्राम चुरेला, थाना भटगांव, जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 6 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार किया गया है।

छॉलीवुड प्रोड्यूसर मोहित साहू ने गर्लफ्रेंड को पीटा

पीड़िता अस्पताल से डिस्चार्ज, लेकिन शिकायत कराने थाने नहीं पहुंची

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ी फिल्म इंडस्ट्री (छॉलीवुड) के फिल्म निर्माता और डायरेक्टर मोहित साहू ने अपनी गर्लफ्रेंड से मारपीट की थी। जिसके बाद पीड़िता अस्पताल में भर्ती थी। शुक्रवार को उसे डिस्चार्ज कर दिया गया है। मोहित साहू ने उज्जैन ले जाकर युवती से शादी की, लेकिन बाद में अपनी दूसरी शादी होने की बात कहकर मुकर गया। जब उसने दूसरी शादी का विरोध किया तो मोहित साहू ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए बेरहमी से मारपीट की।

22 जनवरी को घटना के बाद वह लहूलुहान हालत में वह पुरानी बस्ती थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराने की बात कही। युवती डिस्चार्ज होने के बाद अभी थाना नहीं पहुंची और पुलिस युवती की शिकायत का इंतजार कर रही है।

यह पूरा मामला रायपुर के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के भाटागांव स्थित सिल्वर ओक अपार्टमेंट के ब्लॉक-410 का है। जहां फिल्म निर्माता मोहित साहू ने अपनी गर्लफ्रेंड से बेरहमी से मारपीट की थी। पुलिस जांच के दौरान फ्लैट के अंदर टूटी हुई कुंडी और खून के निशान मिले हैं। जिससे मारपीट की पुष्टि हुई है। घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। जिसमें युवती के सिर से खून बहता साफ नजर आ रहा है। वीडियो देखकर यह आशंका जताई जा रही है कि उस पर किसी ठोस वस्तु से हमला किया गया था। वीडियो सामने आने के बाद मामला और गंभीर हो गया। घटना के दौरान कॉलोनी के सिक्योरिटी गार्ड और स्थानीय रहवासी मौके पर पहुंच गए थे। आरोप है कि स्थिति बिगड़ते देख फिल्म निर्माता मोहित साहू ने सुरक्षाकर्मियों के पैर छूकर माफी मांगी, ताकि मामला बाहर न जाए।

मारपीट के बाद पुलिस ने पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल भेजा, जहां उसका इलाज जारी है। पुरानी बस्ती पुलिस ने युवती की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फिलहाल, आरोपी फिल्म निर्माता मोहित साहू की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। कि मेडिकल रिपोर्ट, वायरल वीडियो और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुरानी बस्ती थाना प्रभारी ने शिकायत मिलने की पुष्टि की है।

विधवा महिला से किया बलात्कार का प्रयास, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शादी डाट काम से दोस्ती कर विधवा महिला से बलात्कार करने का प्रयास किया गया है। थाना पुरानी बस्ती की टीम ने पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम प्रशांत मंडल पिता प्रदीप मंडल उम्र 31 वर्ष निवासी मकान नंबर 215 कृष्णा नगर अलीपुर मोरना थाना हस्तिनापुर जिला मेरठ उत्तर प्रदेश,हाल पता कृष्णा कुंज कॉलोनी 121एफ़34 फेस 3 थाना सेक्टर 113 गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश है।

विधवा महिला से बलात्कार करने का प्रयास किया गया है। महिला को शादी का आश्वासन देकर अपने आप को डॉक्टर बताकर छल पूर्वक

धोखाधड़ी किया। ब्लैकमेलिंग कर फोटो वायरल करने की धमकी व जान से मारने की धमकी देकर 4,00,000 रुपए का उद्यापन किया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर आरोपी के मोबाइल नंबर का कॉल डिटेल लोकेशन साइबर सेल रायपुर से प्राप्त कर टीम बनाकर नोएडा दिल्ली के लिए रवाना हुआ जहां आरोपी को पकड़कर थाना सेक्टर 113 में दिनांक 20.जनवरी.2026 को विधिवत् गिरफ्तार कर ट्रांजीट रिमांड लेकर रायपुर लाकर माननीय न्यायालय रायपुर में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

उक्त कार्य में थाना पुरानी बस्ती से निरीक्षक शील आदित्य सिंह,उपनिरीक्षक जगदंबा तिवारी,आरक्षक 2726 के. मनोज कुमार, आरक्षक 1672 जितेंद्र साहू,आरक्षक 90 रामकृष्ण ठाकुर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

3116 क्विंटल चावल शासन को जमा नहीं करने पर राइस मिल सील

धमतरी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर जिले में अवैध धान भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बीते 21 जनवरी को राजस्व, खाद्य, मंडी एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम पंचायत दर्री स्थित रामसेवक एंड संस फर्म में चावल सत्यापन हेतु जांच की गई।

जांच के दौरान पाया गया कि फर्म द्वारा कस्टम मिलिंग वर्ष 2024-25 के अंतर्गत एफसीआई एवं नागरिक आपूर्ति निगम में कुल 7881.18 क्विंटल चावल जमा किया गया है, जबकि 3116.08 क्विंटल चावल शासन को जमा करना शेष है। इसके अतिरिक्त मिल परिसर में भौतिक सत्यापन के दौरान ढेर में संग्रहित लगभग 60 कट्टा धान एवं 23 बोरी खराब चावल पाया गया। अनियमितता पाए जाने पर कार्यपालिक दंडाधिकारी धमतरी की उपस्थिति में रामसेवक एंड संस फर्म को आगामी आदेश तक सील कर दिया गया। फर्म संचालक प्रकाश पांडेय द्वारा छत्तीसगढ़ कस्टम मिलिंग चावल उपार्जन आदेश 2016 के प्रावधानों का उल्लंघन किए जाने एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत दंडनीय अपराध पाए जाने पर उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है।

प्राणघातक हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार घटना में प्रयुक्त लोहे की टंगिया जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। घटना का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि 22.जनवरी.2026 की सुबह लगभग 04.00 से 05.00 बजे के मध्य ग्राम ठाकुरटोला, थाना तरेगांव जंगल निवासी दुकालसिंह बैगा पिता ईतवारी बैगा उम्र 50 वर्ष के साथ आरोपी चोखुराम बैगा पिता रामलाल बैगा उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम ठाकुरटोला द्वारा गाली-गलौच की बात को लेकर वाद-विवाद किया गया।

वाद-विवाद के दौरान आरोपी द्वारा अपने घर में रखी हुई लोहे की टंगिया से दुकालसिंह बैगा के सिर पर कई बार प्राणघातक हमला कर गंभीर चोट पहुंचाई गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना तरेगांव जंगल प्रभारी निरीक्षक संतोष मिश्रा

के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर त्वरित कार्यवाही की गई तथा गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को बिना विलंब उपचार हेतु अस्पताल भिजवाया गया। मामले में थाना तरेगांव जंगल में आरोपी चोखुराम बैगा के विरुद्ध अपराध क्रमांक 01/2026 धारा 109 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

विवेचना के दौरान आरोपी की पतासाजी कर उसे अभिरक्षा में लिया गया तथा आरोपी के मेमोरण्डम कथन के आधार पर घटना में प्रयुक्त लोहे की टंगिया जप्त की गई। प्रकरण में आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। उक्त संपूर्ण कार्यवाही पुलिस अधीक्षक कबीरधाम धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बोड़ला अखिलेश कौशिक के पर्यवेक्षण में थाना तरेगांव जंगल प्रभारी निरीक्षक संतोष मिश्रा एवं पुलिस टीम द्वारा की गई।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

क्रमांक/चार/रा.वि./2026/2850/420 **भिलाई, दिनांक /23/01/2026**

-:: फ्री-होल्ड हेतु दावा आपत्ति सूचना ::-

छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रालय महानदी भवन अटल नगर जिला रायपुर के आदेश कमांक एफ-8-5/2022/18 के सम संख्यक आदेश दिनांक 06.07.2022 द्वारा नगरीय निकायों के स्वयं के आधिपत्य/स्वामित्व के लीज होल्ड पर आबंटित आवासीय/व्यवसायिक (भवनों/फ्लैट्स/भू-खण्डों/परिसर/दुकानों) को संबंधित नगरीय निकायो राजस्व विभाग से विधिवत भू-स्वामित्व प्राप्त होने पर फ्री-होल्ड के रूप में संपरिवर्तित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है ।

फ्री होल्ड के रूप में सपरिवर्तन के लिये निम्नांकित भूखण्ड धारियों द्वारा आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर कार्यालय मे आवेदन प्रस्तुत किया गया हैं जिस पर नियमानुसार कार्यवाही कर फ्री-होल्ड के रूप संपरिवर्तन किया जाना है। यदि किसी व्यक्ति को इस संबंध मे किसी प्रकर की कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 30 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

क.	पट्टाधारी का नाम पिता/पति का नाम	योजना का नाम	ब्लाक क./भूखण्ड क.	आकार
1.	श्री श्यामलाल अग्रवाल पिता स्व. श्री ऋषिकेश अग्रवाल	पं. दीनदयाल आवासीय योजना	9/18	216 व0मी0
2.	श्री हरदीप सिंह राजपाल आ. प्रीतम सिंह	प्रिय. परि. पश्चिम आ. यो.	19	3075 व0मी0
3.	1.पंकज कुमार जैन आ. श्री ईश्वर चंद जैन 2. श्रीमती प्रीति जैन आ. पंकज कुमार जैन	मो. ने. न. पश्चिम आ. यो.	55ए/01	135 व0मी0
4.	सी. एम. सिंडीकेट श्री अश्वनी चंद्राकर आ. श्री कलीराम	मो.ने.न. पश्चिम आ. सह व्य. यो.	04/04	189 व0मी0
5.	श्री सुनील कुमार बघेल आ. स्व. श्री बाबूलाल बघेल	जवाहर नगर आ. यो.	02/04	273.06 व0मी0
6.	श्रीमती रेखा साहू पति श्री मानूलाल साहू	मो. ने. न. पूर्व आ. यो.	87/16	72 व0मी0
7.	श्रीमती आशा देवी पति श्री आई. पी. तम्बोली एवं श्री संदीप तम्बोली आ. श्री आई. पी. तम्बोली	राधिका नगर आ. यो.	40/03	78.75 व0मी0

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, भिलाई

कर्तव्य में लापरवाही नोडल अधिकारी राजकुमार निलंबित

गरियाबंद। कलेक्टर बीएस उइके ने धान उपार्जन केंद्र सांकरा, विकासखंड छुरा के निरीक्षण के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त राजकुमार साहू, सहायक आंतरिक लेखा परीक्षण एवं करारोपण अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

आदेश के अनुसार, साहू को किसानों के आवेदनों के परिप्रेक्ष्य में धान का भौतिक सत्यापन कर फोटोग्राफ्स अपलोड करने का दायित्व सौंपा गया था। जांच में पाया गया कि उन्होंने सांकरा समिति के 57 किसानों के आवेदनों का कार्यालय में बैठकर बिना वास्तविक जांच किए सत्यापन कर दिया तथा समिति के फोटोग्राफ्स अपलोड कर दिए। इससे आवेदनों में गलत प्रविष्टियां दर्ज होना स्पष्ट हुआ।

प्रमुख खबरें

बहादुरी की मिसाल बने राकेश मिंज और आर्यन खेस

रायगढ़। जिले के दो होनहार बालक मास्टर राकेश मिंज एवं आर्यन खेस ने अदम्य साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए एक मासूम की जान बचाकर पूरे जिले को गौरवान्वित किया है। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देश पर दोनों बच्चों का नाम राज्य वीरता पुरस्कार के लिए प्रस्तावित किया गया था, जिसे शासन द्वारा स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। अब दोनों वीर बालकों को 26 जनवरी को राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में राज्य वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। 24 सितंबर 2025 को एक 05 वर्षीय बालक दादू मिंज डूब रहा था। राकेश और आर्यन ने उसे बाहर निकाला। बालक पानी पी गया था जिसे दोनों ने सूझबूझ से निकाला और उसकी जान बचाई।

शक्कर कारखाना ने किसानों से की गन्ना बेचने की अपील

कवर्धा। भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना ने गन्ना किसानों से गन्ना बेचने की अपील की है। प्रबंध ने कहा कि सदस्य किसानों के लिए अपना उत्पादित गन्ना कारखाने में आपूर्ति करना अनिवार्य है। यदि लगातार सर्वे के अनुरूप गन्ना आपूर्ति नहीं की जाती है, तो सदस्यता समाप्त करने का प्रावधान है। प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि इन प्रावधानों का उद्देश्य दंड नहीं, बल्कि सहकारी संस्था की निरंतरता और किसानों के दीर्घकालिक हितों की रक्षा करना है।

31 जनवरी को राज्य स्तरीय रोजगार मेला

बीजापुर। राज्य स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन 31 जनवरी 2026 को शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय रायपुर सेजबहार में किया जा रहा है। शासकीय आईटीआई बीजापुर, भोपालपटनम, उसुर एवं भैरमगढ़ की संस्थाओं से उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों जिन्होंने पंजीयन कराया था वह समस्त दस्तावेज के साथ उपस्थित हो सकते हैं।

रायपुर साहित्य उत्सव 2026

नवदीप मंडप में गूंजी 90 से अधिक महिला रचनाकारों की आवाज

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर साहित्य उत्सव 2026 पूरे उत्साह और साहित्यिक गरिमा के साथ जारी है। उत्सव के अंतर्गत सुरजीत नवदीप मंडप में महिला साहित्यकारों के विशेष काव्य-पाठ सहित काव्य एवं व्यंग्य के कई सत्र आयोजित किए गए, जिनमें प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए 90 से अधिक नवोदित एवं समकालीन रचनाकारों ने सहभागिता की।

जय जोहार साहित्य-संस्कृति संस्थान, छत्तीसगढ़ साहित्य एवं संस्कृति संस्थान एवं छत्तीसगढ़ मित्र के संयुक्त तत्वावधान में महिला साहित्यकारों के विशेष काव्य-पाठ का आयोजन किया गया। संयोजन संस्थान की अध्यक्ष डॉ. सीमा निगम द्वारा किया गया। संरक्षक डॉ. रश्मिलता मिश्रा, शशि सुरेंद्र दुबे एवं छत्तीसगढ़ साहित्य एवं संस्कृति संस्थान की अध्यक्ष शकुंतला तरार विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन रहीं। संचालन डॉ. सीमा अवस्थी एवं सुमन शर्मा बाजपेयी ने किया।

महिला साहित्यकारों ने अपनी कविताओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोक-संस्कृति, नदियों की महिमा, सामाजिक सरोकार, नारी सशक्तिकरण एवं राष्ट्रभक्ति जैसे विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इस सत्र में विमला माहेश्वरी, भारती यादव मेधा, पूर्वा श्रीवास्तव, पल्लवी झा, नंदिनी लहेज, दिलशाद सैफी, अनिता झा, अनामिका शर्मा 'शशि', प्रमदा ठाकुर, सुषमा प्रेम पटेल, पूर्णिमा तिवारी, शुभ्रा ठाकुर, धरा देवांगन, शकुंतला तिवारी, सीमा पांडेय, डॉ. ज्योति दीवान, डॉ. संध्या रानी शुक्ला, नलिनी बाजपेयी, अंजना भाके 'कनुप्रिया', शशि तिवारी, डॉ. तुलेश्वरी धुरंधर, प्रतिमा बनर्जी, दुर्गा पाठक, आभा श्रीवास्तव, मंजूषा अग्रवाल, कल्याणी तिवारी, प्रीति मिश्रा, चंद्र प्रभा दुबे, चंद्रकला त्रिपाठी, अर्चना जैन, खिलेश गौर सहित अनेक साहित्यकारों ने सहभागिता की। आभार प्रदर्शन डॉ. मृणालिका ओझा ने किया।

अन्य साहित्यिक सत्रों में धमतरी से डूमनलाल ध्रुव के नेतृत्व में 15 सदस्यीय दल ने ग्रामीण एवं लोक संवेदनाओं से जुड़ी कविताएं प्रस्तुत कीं। रायपुर से राजशेखर चौबे के नेतृत्व में 9 रचनाकारों ने समकालीन विषयों पर व्यंग्यात्मक रचनाएं प्रस्तुत कीं, जबकि महासमुंद से अशोक शर्मा के नेतृत्व में 12 सदस्यीय समूह ने आंचलिक संस्कृति को स्वर दिया। वहीं रायपुर के आशीष सिंघानिया के 7 सदस्यीय समूह ने युवा सोच और नवीन प्रयोगों से युक्त कविताओं का पाठ किया।

डिजिटल साहित्य प्रकाशकों के लिए चुनौती पर सार्थक विमर्श

अनिरुद्ध नीरव मंडप में 'डिजिटल साहित्य : प्रकाशकों के लिए चुनौती' विषय पर केंद्रित सत्र में डिजिटल युग में साहित्य प्रकाशन की बदलती प्रकृति, संभावनाओं और चुनौतियों पर गंभीर विमर्श किया गया। सत्र में प्रभात प्रकाशन, दिल्ली के प्रतिनिधि प्रभात कुमार ने डिजिटल माध्यमों के प्रभाव पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि ई-बुक्स, ऑडियो बुक्स और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ने साहित्य को व्यापक पाठक वर्ग तक पहुँचाने के नए अवसर प्रदान किए हैं। सत्र के सूत्रधार डॉ. सुधीर शर्मा वैभव प्रकाशन, रायपुर ने डिजिटल तकनीक, कॉपीराइट संरक्षण, पाठकों की बदलती रुचियों और साहित्यिक गुणवत्ता बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर संवाद को आगे बढ़ाया। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि डिजिटल माध्यम को चुनौती नहीं, बल्कि अवसर के रूप में अपनाया जाना चाहिए।

साहित्य उत्सव के पहले दिन लाला जगदलपुरी मण्डप में समकालीन महिला लेखन विषय पर गहन एवं सार्थक परिचर्चा संपन्न हुई। इंदिरा दांगी, श्रद्धा थवाईत, जया जादवानी तथा सोनाली मिश्र ने महिला लेखन की बदलती भूमिका पर चर्चा की।

ओपन माइक के पहले दिन चार सत्रों में 75 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया। यह सत्र लब्ध प्रतिष्ठित कवि पद्मश्री स्व सुरेन्द्र दुबे को समर्पित रहा। कविता, कहानी, गायन, वादन, सामूहिक नृत्य एवं शास्त्रीय नृत्य जैसी विविध विधाओं को मौका मिला।

अम्बेडकर अस्पताल में सीटी एंजियोग्राफी सुविधा प्रारंभ, एक हफ्ते में 29 की जांच

रायपुर। पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर के रेडियोडायग्नोसिस विभाग में अब सीटी एंजियोग्राफी की अत्याधुनिक जांच सुविधा शुरू हो गई है। इसके अंतर्गत सीटी कोरोनरी एंजियोग्राफी, ब्रेन (सेरेब्रल), एब्डोमिनल, पेरिफेरल एवं पल्मोनरी एंजियोग्राफी जांच की जा रही है। विगत सप्ताह 29 मरीजों की विभिन्न बीमारियों में सीटी एंजियो जाँच हुई जिससे समय रहते उन्हें उचित उपचार मिला।

गुजरात के अध्ययन भ्रमण से लौटकर महिला पत्रकारों ने सीएम का जताया आभार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। गुजरात के अध्ययन भ्रमण से लौटे महिला पत्रकारों के दल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महिला पत्रकार अपने साहस से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को मजबूत कर रही हैं। मैं उन सभी महिलाओं के साहस को नमन करता हूं जो पत्रकारिता जैसे चुनौतीपूर्ण पेशे में रह कर समाज में सकारात्मक योगदान दे रही हैं।

पत्रकारों ने पहली बार छत्तीसगढ़ से महिला पत्रकारों के दल को अन्य राज्य के अध्ययन भ्रमण पर भेजने के लिए उनका आभार जताया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस भ्रमण के दौरान आप सभी ने गुजरात विधानसभा, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, राजकोट, पोरबंदर सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व को समझा है। आने वाले समय में ये अनुभव आपकी कलम को और भी समृद्ध करेगा, जिसका लाभ पत्रकारिता जगत के साथ ही आपके पाठकों भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस वर्ष हम महतारी गौरव वर्ष मना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से भ्रमण के अनुभवों को किताब के रूप संजोने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह ना सिर्फ आपके लिए इस भ्रमण को हमेशा के लिए यादगार बनाएगा बल्कि अन्य लोग भी आपकी किताब को पढ़कर गुजरात के बारे में अपनी जानकारी बढ़ा सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात एक समृद्ध और मॉडल राज्य है। वहां सहकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुआ है। छत्तीसगढ़ में भी हम सहकारिता को बढ़ावा दे रहे हैं। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में भी सहकारिता के लिए बहुत कार्य हो रहा है।

इस अवसर पर पत्रकार निशा द्विवेदी, दामिनी बंजारे, नूरजहां, उत्तरा विदानी, कोमल धनेसर, नेहा श्रीवास्तव, रचना नितेश, प्रियंका जायसवाल, राजश्री गुप्ते ने बड़े उत्साह के साथ मुख्यमंत्री श्री साय के साथ अपने अनुभवों को साझा किया। महिला पत्रकारों ने बताया कि कई लोगों की यह पहली हवाई यात्रा भी थी।

विशेष काव्य-पाठ

महिला साहित्यकारों के विशेष काव्य-पाठ सहित सुरजीत नवदीप मंडप में गूंजा साहित्य, 90 से अधिक रचनाकारों की सहभागिता

ओपन माइक

सुर, शब्द और संवेदना का उत्सव

स्वाद और संस्कृति का संगम

छत्तीसगढ़ी व्यंजनों से महक उठा साहित्य

नाटक 'चाणक्य' का मंचन

नाटक 'चाणक्य' का भव्य एवं प्रभावशाली मंचन

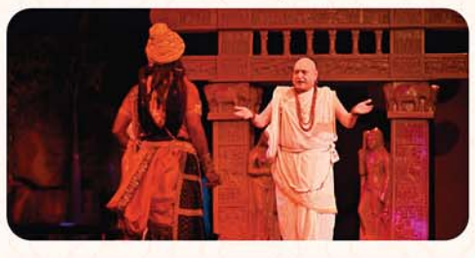

शिल्प साधना

आभूषण, हस्तकला और परंपरा ने रचा वैभव

छत्तीसगढ़ की साहित्यिक विरासत का महोत्सव
रायपुर साहित्य उत्सव
आदि से अनादि तक
23-25 जनवरी 2026
नवा रायपुर, छत्तीसगढ़

शब्द, संवेदना और संस्कार का महासंगम

" सुरसरि सम सब कहँ हित होई "

छत्तीसगढ़ शासन | छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

23-25 जनवरी 2026
पुरखौती मुक्तांगन, नवा रायपुर

- 120 से अधिक ख्यातिप्राप्त साहित्यकारों की सहभागिता
- 42 साहित्यिक सत्र - विचार, विमर्श और संवाद
- 10 हजार से अधिक पंजीकरण
- साहित्य, पत्रकारिता, सिनेमा, डिजिटल युग और एआई पर विशेष सत्र

उत्सव के मुख्य आकर्षण

साहित्यिक संवाद | पुरखा के सुरता | रजत प्रवाह
नाटक 'चाणक्य' का मंचन | राष्ट्रीय पुस्तक मेला | कवि सम्मेलन
युवाओं के लिए ओपन माइक | छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां | चित्रकला व कार्टून प्रतियोगिता

रामचरितमानस के बालकाण्ड की यह अमर चौपाई जिस लोक-मंगलकारी भावना को रेखांकित करती है, उसी कल्याणकारी चेतना को आत्मसात किए रायपुर की पावन धरा पर साहित्य उत्सव 'आदि से अनादि तक' का भव्य शंखनाद हुआ है। यह आयोजन संवेदना और संस्कार की उस अविरल धारा का अर्पण है, जो गंगा की पवित्र सरिता की भाँति मानवता के अभ्युदय के लिए युगों-युगों से प्रवाहित हो रही है।

नवा रायपुर स्थित पुरखौती मुक्तांगन परिसर में आयोजित उद्घाटन समारोह ने इस उत्सव को वैचारिक ऊँचाई प्रदान की। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना, राज्यगीत और साहित्य उत्सव गीत से हुआ, जिसने पूरे वातावरण को संस्कार और संवेदना से आलोकित कर दिया। उपमुख्यमंत्री अरुण साव, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा की कुलपति डॉ. कुमुद शर्मा और सुप्रसिद्ध रंगकर्मी मनोज जोशी की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा को और बढ़ाया। मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा, वरिष्ठ पत्रकार अनंत विजय, छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की सहभागिता ने इसे एक स्मरणीय सांस्कृतिक क्षण बना दिया।

विमोचन और वैचारिक समृद्धि

इस अवसर पर अतिथियों के करकमलों से छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आधारित पुस्तिका, एक कॉफी टेबल बुक, छत्तीसगढ़ राज्य के साहित्यकारों पर केंद्रित प्रकाशन, जे. नंदकुमार की नेशनल सेल्फहुड इन साइंस, प्रो. अंशु जोशी की लाल दीवारें, सफेद झूठ तथा राजीव रंजन प्रसाद की तेरा राज नहीं आएगा रे का विमोचन किया गया। यह क्षण राज्य की साहित्यिक यात्रा और समकालीन रचनात्मकता दोनों का उत्सव बन गया।

साहित्य का महाकुंभ

प्रभु श्रीराम का ननिहाल छत्तीसगढ़ है और इस पावन भूमि पर रायपुर साहित्य उत्सव का आयोजन हम सभी के लिए गर्व का विषय है। देशभर से आए साहित्यकारों और साहित्य-प्रेमियों का स्वागत है। यह उत्सव साहित्य का एक महाकुंभ है। उत्सव के मंडप विनोद कुमार शुक्ल, श्यामलाल चतुर्वेदी, लाला जगदलपुरी और अनिरुद्ध नीरव जैसे महान साहित्यकारों को समर्पित हैं—जिन्होंने छत्तीसगढ़ की संस्कृति और साहित्य को नई पहचान दी। कविता अन्याय के विरुद्ध प्रतिरोध सिखाती है—यही साहित्य की वास्तविक शक्ति है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की "हार नहीं मानूंगा" जैसी पंक्तियाँ आज भी जनमानस को संबल देती हैं।

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री

साहित्य समाज को दिशा देता है

छत्तीसगढ़ी साहित्य की समृद्ध और प्राचीन परंपरा रही है, जिसने अपनी स्थानीय संस्कृति को दृढ़ता से संजोया है। एक पुस्तक और एक लेखक भी दुनिया को बदलने की शक्ति रखते हैं। साहित्य समाज को दिशा देता है, आशा जगाता है और निराशा से उबारकर जीवन जीने का साहस प्रदान करता है। आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी है—स्टील, चावल उत्पादन और स्टार्टअप्स में नई ऊँचाइयों को छू रहा है। इस राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता के पीछे साहित्य की सशक्त भूमिका रही है, जिसने समाज की चेतना को निरंतर जाग्रत रखा।

श्री हरिवंश
माननीय उपसभापति

साहित्य को नई ऊर्जा

यह आयोजन साहित्य का महाकुंभ है, जो 12 वर्षों बाद पुनः आयोजित हुआ है। उस समय भी मैंने इसमें भाग लिया था और आज 2026 में फिर से सहभागी बना हूँ। इस प्रकार के आयोजन हमें नई ऊर्जा और प्रेरणा देते हैं। ऐसे आयोजन बार-बार होते रहें और इनका विस्तार हर जगह हो, ताकि बस्तर संभाग सहित सभी क्षेत्रों के लोग इससे जुड़ सकें।

शिव कुमार पांडेय
बस्तर के कहानी-किस्सों के लेखक

साहित्य सबका अधिकार है

हर साहित्य उत्सव के बाहर यह लिखा होना चाहिए कि "आप अंदर आइए।" ऐसा इसलिए, क्योंकि साहित्य जीवन की अभिव्यक्ति का उत्सव है और साहित्य सबका अधिकार है। लोगों को पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। पढ़ना मसल फ्लेक्स करने जैसा है—जितना अभ्यास, उतनी मजबूती। इस तरह के आयोजन पाठकों को किताबों से जोड़ने का प्रयास है

टीजे भानु
अभिनेत्री

"संस्कृति का संस्कार रूप साहित्य अमर है" उत्सव का यही स्वर रायपुर की फिज़ाओं में गूंज रहा है।

RO - 46651/85

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950